

# क्यू न लिखू सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड  
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ़, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ़ और उत्तराखंड

## बजट 2025

**स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ 12.75 लाख की कर योग्य आय पर कोई टैक्स नहीं; वेतनभोगी लोगों के लिए एलान**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दे दी है। अब 12 लाख रुपये तक की आमदनी आयकर के दायरे से बाहर होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दे दी है। अब 12 लाख रुपये तक की आमदनी आयकर के दायरे से बाहर होगी। वित्त मंत्री ने प्रत्यक्ष कर पर बजट में कहा कि नए आयकर विधेयक में न्याय की भावना को प्रमुखता दी जाएगी। कितने रुपये तक की

### संक्षिप्त समाचार

**किसान नेता बोले, अन्नदाता को कर्जदार बनाने की साजिश; लोन से बाजार उठेगा, मगर किसान नहीं**

किसान नेता वीएम सिंह कहते हैं, बजट में अन्नदाता को कर्जदार बनाने की साजिश रची जा रही है। किसानों को लोन देने की बात हो रही है, अनुदान देने की नहीं। बजट में एमएसपी का जिक्र तक नहीं है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 पेश कर दिया है। वित्त मंत्री ने कृषि क्षेत्र के लिए कई घोषणाएं की हैं। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, दलहन में आत्मनिर्भरता, बिहार में मखाना बोर्ड बनाने और असम में यूरिया प्लांट खोलने का एलान किया गया है। किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट को अब 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है। किसान नेता वीएम सिंह कहते हैं, बजट में अन्नदाता को कर्जदार बनाने की साजिश रची जा रही है। किसानों को लोन देने की बात हो रही है, अनुदान देने की नहीं। बजट में एमएसपी का जिक्र तक नहीं है। किसानों की आय डबल करने की बात कहां तक पहुंची है, केंद्र सरकार इस बाबत चुप है। वित्त मंत्री ने बजट में कहा, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत ऐसे 100 जिलों को चुना जाएगा, जहां पर कृषि उत्पादकता कम है। इससे वहां पर उत्पादकता बढ़ाने, खेती में विविधता लाने, सिंचाई और उपज के बाद भंडारण की क्षमता मजबूत करने में मदद मिलेगी। इस योजना से 1.7 करोड़ किसानों को लाभ होगा।



कर योग्य आय पर अब नहीं देना होगा टैक्स? वित्त मंत्री ने कहा कि 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर अब कोई आयकर नहीं लगेगा। इसमें जब स्टैंडर्ड डिडक्शन भी जोड़ देंगे तो वेतनभोगी लोगों के लिए 12.75 लाख रुपये की कर योग्य आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। वित्त मंत्री ने कहा है कि इस फैसले से मध्यम वर्ग पर करों को काफी हद तक कम करने में मदद मिलेगी। उनके पास अधिक पैसा छोड़ने, घरेलू खपत, बचत और निवेश बढ़ाने का मौका होगा। वित्त मंत्री ने एलान किया है सभी करदाताओं को लाभ पहुंचाने के लिए आयकर स्लैब और दरों में बदलाव किया जा रहा है।

### घर का सपना देख रहे मध्यम वर्ग को राहत, रुकी आवास परियोजनाओं के लिए नए 'स्वामी' कोष का एलान

2019 में एसबीआई वेंचर्स लिमिटेड द्वारा शुरू की गई डेटा विश्लेषणात्मक फर्म प्रॉपर्टिक्रिटी की तरफ से जारी डाटा के अनुसार, 4.58 लाख आवास इकाइयों वाली लगभग 1,500 परियोजनाएं रुकी हुई थीं और इसे पूरा करने के लिए 55,000 करोड़ रुपये की कुल फंडिंग की आवश्यकता थी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को रुकी हुई आवास परियोजनाओं में एक लाख यूनिट को पूरा करने के 15,000 करोड़ रुपये के नए स्वामी फंड की घोषणा की। इसका उद्देश्य उन घर खरीदारों को राहत प्रदान करना है, जिनका निवेश अटका हुआ है। नवंबर में केंद्र ने पूरे भारत में रुकी हुई आवास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए स्पेशल विंडो फॉर अपोर्टेबल एंड मिड इनकम हाउसिंग (स्वामी) नामक एक स्ट्रेस फंड की घोषणा की थी। इस फंड का प्रबंधन स्टेट बैंक समूह कंपनी एसबीआईसीएपी वेंचर्स लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। पहले फंड की सफलता के बाद निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में स्वामी फंड-2 की घोषणा की। स्वामी फंड-1 के अंतर्गत वित्त मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि तनावग्रस्त आवास परियोजनाओं में 50,000 आवासीय इकाइयां पूरी हो चुकी हैं और घर खरीदारों को चाबियां सौंप दी गई हैं। उन्होंने बताया कि 40,000 इकाइयां 2025 में पूरी हो जाएंगी। इससे मध्यम वर्ग के उन परिवारों को मदद मिलेगी, जो अपार्टमेंट के लिए लोन लिए हैं या ईएमआई भरते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, इस सफलता के आधार पर स्वामी फंड-2 को सरकार, बैंकों और प्राइवेट निवेशकों के योगदान के साथ वित्त सुविधा के रूप में स्थापित किया जाएगा। 15,000 करोड़ रुपये के इस फंड का लक्ष्य अन्य एक लाख इकाइयों को पूरा करना है। 2019 में एसबीआई वेंचर्स लिमिटेड द्वारा शुरू की गई डेटा विश्लेषणात्मक फर्म प्रॉपर्टिक्रिटी की तरफ से जारी डाटा के अनुसार, 4.58 लाख आवास इकाइयों वाली लगभग 1,500 परियोजनाएं रुकी हुई थीं और इसे पूरा करने के लिए 55,000 करोड़ रुपये की कुल फंडिंग की आवश्यकता थी।

### 'वित्त मंत्री ने शुरुआत कृषि से की, लेकिन किसानों की मांगों पर चुप हैं', कांग्रेस ने कसा तंज

केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि वित्त मंत्री ने बजट की शुरुआत कृषि से की है, लेकिन किसानों की मांगों और कृषि पर संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों पर पूरी तरह से चुप हैं। कांग्रेस ने शनिवार को बजट में कृषि क्षेत्र से संबंधित घोषणाओं गारंटी और कृषि ऋण माफी समेत किसानों की मांगों पर पूरी तरह से चुप रहने का आरोप वित्तीय क्षेत्र, बिजली और नियामक ढांचे इन छह क्षेत्रों में सुधार शुरू करेगा। अपने बजट फसल गहनता और औसत से कम ऋण मानदंड वाले 100 जिलों को शामिल किया। वित्त मंत्री ने बजट की शुरुआत कृषि से की है, लेकिन किसानों की मांगों और कृषि पर करना, कृषि ऋण माफी, पीएम किसान भुगतान का मुद्रास्फीति सूचकांकिकरण, पीएम अब उसका नया नाम है- राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन। उन्होंने आगे कहा कि वित्त मंत्री ने चार इंजनों की बात की- कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात। इतने सारे इंजन कि बजट पूरी तरह से पटरी से उतर गया है। बता दें कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को रिपोर्ट आठवां लगातार बजट पेश किया। बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, मंत्रालय पहुंचीं। वित्त मंत्री के साथ वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी साथ थे। सीतारमण वित्त मंत्रालय से राष्ट्रपति भवन पहुंचीं। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात वित्त मंत्री ने उन्हें बजट के अहम प्रावधानों और बदलावों की जानकारी दी। यह परंपरा है, जिसमें राष्ट्रपति की मंजूरी ली जाती है। राष्ट्रपति ने वित्त मंत्री का दही चीनी खिलाकर मुंह मीठा कराया। साथ में नाश्ता भी किया। इसके बाद वह संसद भवन के लिए रवाना हुईं। कैबिनेट से बजट 2025 को मंजूरी मिलने के बाद सीतारमण ने बजट भाषण पढ़ना शुरू किया।



**सीतारमण ने 25000 करोड़ रुपये के समुद्री विकास कोष की घोषणा की, 49 फीसदी तक रहेगा सरकार का योगदान**

वित्त मंत्री ने बताया कि एक निर्दिष्ट आकार से ऊपर के बड़े

जहाजों को इंफ्रास्ट्रक्चर हार्मोनाइज्ड मास्टर लिस्ट (एचएमएल) में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जहाजों की रेंज, श्रेणियां और क्षमता बढ़ाने के लिए जहाज निर्माण समूहों को सुविधा प्रदान की जाएगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को बताया कि 25,000 करोड़ रुपये के फंड के साथ एक समुद्री विकास फंड स्थापित किया जाएगा। 2025-26 का बजट पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि इस राशि का उपयोग प्रतिस्पर्धा का समर्थन और उसे बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा। इसमें सरकार का 49 फीसदी तक का योगदान होगा।

पोत परिवहन में कच्चे माल घटकों पर अगले 10 वर्षों तक छूट जारी रखने का प्रस्ताव

जारी किया गया। उन्होंने कहा कि लागत संबंधी नुकसान को दूर करने के लिए जहाज निर्माण वित्तीय सहायता नीति को नया रूप दिया जाएगा। वित्त मंत्री ने बताया कि एक निर्दिष्ट आकार से ऊपर के बड़े जहाजों को इंफ्रास्ट्रक्चर हार्मोनाइज्ड मास्टर लिस्ट (एचएमएल) में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा, जहाजों की रेंज, श्रेणियां और क्षमता बढ़ाने के लिए जहाज निर्माण समूहों को सुविधा प्रदान की जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि वर्तमान में टोनेज टैक्स योजना केवल समुद्र में जाने वाले जहाजों के लिए ही उपलब्ध है। मौजूदा टोनेज टैक्स योजना का लाभ भारतीय जहाज अधिनियम 2021 के तहत पंजीकृत अंतर्देशीय जहाजों तक बढ़ाने का प्रस्ताव है। बता दें कि

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को रिपोर्ट आठवां लगातार बजट पेश किया। बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, मंत्रालय पहुंचीं। वित्त मंत्री के साथ वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी साथ थे। सीतारमण वित्त मंत्रालय से राष्ट्रपति भवन पहुंचीं। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात वित्त मंत्री ने उन्हें बजट के अहम प्रावधानों और बदलावों की जानकारी दी। यह परंपरा है, जिसमें राष्ट्रपति की मंजूरी ली जाती है। राष्ट्रपति ने वित्त मंत्री का दही चीनी खिलाकर मुंह मीठा कराया। साथ में नाश्ता भी किया। इसके बाद वह संसद भवन के लिए रवाना हुईं। कैबिनेट से बजट 2025 को मंजूरी मिलने के बाद सीतारमण ने बजट भाषण पढ़ना शुरू किया।

### TV से लेकर मोबाइल तक होंगे सस्ते, पूरी दुनिया में बजेगा मेड इन इंडिया का डंका

लिथियम बैटरी और टीवी समेत इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट होंगे सस्ते। इसके अलावा इलेक्ट्रिक कारों सस्ती होंगी। मोबाइल से लेकर टीवी तक सस्ता होगा। इसके अलावा भारत में बनने वाले सभी तरह के इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट सस्ते होंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लगातार 8वां बजट पेश किया। इस दौरान उन्होंने कई बड़े एलान किए। उन्होंने कहा कि बाॅडबैंड कनेक्टिविटी को बेहतर किया जाएगा और विस्तार दिया जाएगा। देश के सभी कनेक्टिविटी दी प्रोडक्ट होंगे सस्ते- कै मरा माॅड्यूल, के राॅ मेटेरियल, रिसेवर, USB मोबाइल फोन सेंसर पर ड्यूटी को खत्म कर दिया इन पर 2.5 फीसदी ड्यूटी इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट होंगे सस्ते। इसके अलावा भारत में बनने वाले सभी तरह के इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट सस्ते होंगे। यह खबर भारतीय उद्योग और बैटरी निर्माण क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा है। सरकार ने कोबाल्ट पाउडर, लिथियम-आयन बैटरी के स्क्रीन, लेड, जिंक और अन्य 12 महत्वपूर्ण खनिजों को बेसिक कस्टम्स ड्यूटी (BCD) से छूट देने का निर्णय लिया है। इस छूट का प्रभाव-इलेक्ट्रिक वाहन (EV) उद्योग को बढ़ावा-बैटरियों के लिए आवश्यक खनिज सस्ते होने से इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) के निर्माण की लागत घटेगी। मेक इन इंडिया को बढ़ावा-घरेलू बैटरी निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती मिलेगी। नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर को लाभ- लिथियम-आयन बैटरियों का उपयोग ऊर्जा भंडारण (energy storage) में भी किया जाता है, जिससे अक्षय ऊर्जा को समर्थन मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और मैन्युफैक्चरिंग उद्योग को सहायता- इन खनिजों की लागत में कमी से इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य विनिर्माण उद्योगों को भी लाभ होगा।



संपादकीय Editorial

It is the tragedy of the crowd

Finally it has been proved that a 'tragic incident' happened in Maha Kumbh Prayagraj. The stampede happened due to the crowd. The stampede was like the one recorded in history and we have seen and heard many times. Even a single life is very precious, it should not be crushed under any circumstances. This unpardonable human crime should be decided. Death is certain and inevitable, but the death should be that which is decided by destiny. Should the tragedy of Maha Kumbh also be considered destiny? Crores of devotees had gone to Maha Kumbh to earn merit and are still going, Prime Minister Modi has also considered them 'virtuous', they were completely full of faith, so they had reached a distance of 200 meters from the holy Sangam Ghat. Then why did their faith remain incomplete? Maybe this is destiny! Anyway, a stampede happened and the devotees sleeping and resting got trapped under the crush of the crowd. Due to the crush, 30 people died, 60 were injured. 36 of them are still undergoing treatment in the hospital. This tragedy of Maha Kumbh has been covered in media all over the world. Headlines and analyses are being published in major newspapers that India failed to manage such a large scale crowd. Questions are being raised whether unlimited mass events like Kumbh should be organised in India? Were Indian security personnel controlling the crowd or were they merely issuing appeals? It seems an anti-India campaign has been launched in the international media. Of course stampedes have been taking place, more at religious places, so such tragedies should also be considered destiny. Horrible and gruesome murders have also been committed all over the world. This is a continuous crime. Stampedes and brutal murders during Kumbh or any crowd have been published as 'banner headlines' in the media. Analyses have also been published for many days, but Alzheimer's disease is the 7th biggest and definite cause of deaths all over the world, but its news is published in a corner. Sometimes it is even ignored. Road accidents cause lakhs of deaths every year, but these too are not made headlines. The news of the corona pandemic kept getting printed in a corner, on the inside pages, until the death toll in India became constant and horrifying. Actually, India is a narrow and crowded country. The population is around 145 crores and is constantly increasing. It is worth noting that there are 9 cities in India whose population is more than 70 lakhs. There are about 46 cities whose population is more than 10 lakhs. These cities do not even have grounds where a crowd of 5 lakhs can be handled at one place. There is no such area in the country where a crowd of 8-10 crore people can gather in a day and no accident occurs. Our railway stations are so crowded that there are often chances of stampede. Then why were claims made about the management and control of the crowd of crores in the Maha Kumbh? Why were people invited for holy bath? Of course, the fair area is spread over 4000 hectares. This is unprecedented. More than 70,000 security personnel have been deployed, but in the rush to bathe, the crowd does not even follow their instructions. Actually, most people in India are religious, the number of believers is less, so the devotees kept walking for 10-15 kilometers, kept getting pushed, kept struggling, because they had to take an 'amrit snan'. Anyway, neither engineer the tragedy of Maha Kumbh nor spread political hatred. We have to understand the science of crowd-power, otherwise tragedies will remain inevitable.

Initiative to shape India's future, Mineral Mission a visionary step

The mission is designed to bridge this gap and ensure that India leads the global clean energy revolution rather than following it. Overall, India's National Critical Mineral Mission is not just an answer to today's challenges but it is a visionary step towards shaping India's future. From zinc mining in Jawar, Rajasthan more than several thousand years ago to the discovery of Kohinoor, India has long understood the strategic importance of mines and minerals. Our ancestors were well aware that mines are a major source of treasury. Mines play an important role in the country's economic development, promoting industries, creating employment, ensuring the country's energy security and scientific and technological development. In view of this, a series of reforms have been initiated for critical minerals. In this sequence, in 2015, extensive amendments were made in the Mines and Minerals (Development and Regulation) Act which brought a new revolution in the mining sector and introduced a transparent auction system. This led to the transparent auction of 442 blocks and the states benefitted by about Rs 2.7 lakh crore in the form of auction premium and royalty. After the establishment of the National Mineral Exploration Trust, Rs 6,000 crore has been utilised in exploration activities. In addition, the District Mineral Fund in mineral-rich districts received Rs one lakh crore, which is being used for welfare activities like local development, education and health. Today, critical minerals have become the lifeline of the new age technology-driven society. As the country moves towards clean energy and advanced technologies, critical minerals are being seen as the new oil. Minerals like lithium, cobalt and nickel are important for electric vehicles, renewable energy systems and semiconductors. Similarly, phosphates, potash and glauconite are important for agricultural production, while titanium and beryllium are essential in the aerospace and defence sector. Hence, critical minerals are needed for India's national security, energy security and food security. With a broad vision towards these future demands, Prime Minister Narendra Modi has taken a historic decision to launch the National Critical Minerals Mission with a financial outlay of Rs. 16,300 crore. The launch of this mission was announced in the Union Budget for FY 2024-2025 to focus on accelerating domestic production, acquiring critical mineral assets from abroad and technology development etc. This will now help in ensuring long-term sustainable supply of critical minerals and strengthening India's critical mineral value chains. This mission will put India among the select countries which are strategically reshaping their economies to meet the demands of future generations. It will provide a boost towards Prime Minister Narendra Modi's vision of a developed India 2047 and lay a strategic foundation for an Aatmanirbhar Bharat. According to International Energy Agency estimates, the global demand for these minerals will triple by 2030 and quadruple by 2040. Currently, most of our critical minerals are completely imported. Through this mission, the government aims to achieve self-sufficiency in this direction as well as export to the global market. The mission aims to discover 1,200 mineral-rich sites domestically and also generate intellectual property, with the aim of obtaining 1,000 patents across the critical minerals value chain. The mission will also support 100 domestic research and development projects and create 10,000 skilled professionals specializing in the field of critical minerals from mining and processing to recycling. The establishment of mineral processing parks, centers of excellence and targeted skill development programs under the National Critical Minerals Mission will ensure that India becomes a global hub for critical minerals innovation. By the year 2030, India aims to obtain 50 percent of its power capacity from non-fossil fuel sources and reduce carbon emissions by one billion tonnes. Achieving these goals requires domestic manufacturing of technologies such as lithium-ion batteries, which will require substantial quantities of lithium, nickel and cobalt. The mission is designed to bridge this gap and ensure that India leads the global clean energy revolution rather than following it. Overall, India's National Critical Minerals Mission is not just an answer to today's challenges but a visionary step towards shaping India's future. It is also aimed at leading the global transition to clean energy, securing and empowering our manufacturing ambitions. This mission is a holistic effort to prioritize our national security, ensure economic growth and achieve our energy and food security goals.

Direction of ideological conflict, leftist ideology could not present itself in Indian environment

Even big Congress leaders like Morarji Desai and Jagjivan Ram became part of the government formed with the support of RSS. After the failed experiment of Janata Party, RSS supported a new beginning in the form of BJP and BJP has amazed with its success by reaching 303 Lok Sabha seats from two Lok Sabha seats at one time. Other organizations of RSS have also been successful in their expansion. This year has deep implications for India. Recently, India has celebrated its 76th Republic Day. This year, 100 years of the establishment of Rashtriya Swayamsevak Sangh are going to be completed. Communist Party of India i.e. CPI will also celebrate its 100th foundation day this year. It is also a big coincidence that RSS and Communist parties, standing at two opposite poles at the ideological level in Indian socio-political discourse, will pass their 100th milestone this year. In such a situation, curiosity about their journey so far and future direction is very natural. If we talk about the current political scenario, the Bharatiya Janata Party (BJP), which is considered to be affiliated to the Sangh, is at the top at the moment, while the communist movement has been completely marginalized after continuous fragmentation. In Indian political discourse, the BJP is considered to be right-wing, the Communists to be left-wing, while the Congress, despite its left-wing leanings, is largely considered to be a centrist party. Looking at the current dominance of the BJP, it appears that its ideological stream strengthened its hold on Indian politics over time, while the pure left-wing Communists and the left-leaning Congress seem to be fighting for their existence. The roots of one stage of the background of the conflict of ideologies are linked to the pre-independence era, while its next expansion takes place after independence. The CPI came into existence during December 1925. Many fronts of conflict were seen in the leftist camp right from the beginning. In this, the differences on the issue of choosing the path to attain power and participation in the Constituent Assembly were the main points. The issue of support from China and Russia also created such a problem between the internal factions that it became the basis of internal division. As a result, the Communist Party of India-Marxist or CPI-M emerged from the CPI. Despite choosing different paths, the ideological glue kept both the factions together and their alliance maintained its political dominance in Kerala, Bengal and Tripura. The violent Maoist stream also succeeded in establishing its roots in some parts. However, now the situation is that these parties have been almost wiped out from Bengal and Tripura. Their political ground is left only in Kerala. At the same time, the grip of violent Maoists on the local people has weakened and the operations of security agencies have also caused them a lot of damage. Failure to change itself with time was a major reason for the shrinking of the scope of the left in India. Even this ideology, which once dominated in fields ranging from academics and literature to journalism, is losing its aura there too. If we talk about the period before independence, the goal of the Muslim League formed during that time to mobilize the Muslims was accomplished with the partition of India. Some remnants of the League have certainly remained active in some areas. The Akali Dal, which began as sectarian politics in Punjab, kept getting divided and the main Akali party- Shiromani Akali Dal is struggling to keep itself relevant in Punjab after the demise of its leader Prakash Singh Badal. The situation of other factions of the Akali Dal is also not very good. Dr. Bhimrao Ambedkar's political experiment in the form of Republican Party of India (RPI) for the mobilization of Dalits was also not successful. At the same time, the movement that gained momentum in Tamil Nadu during 1920 under the leadership of Periyar took a political form in the form of Dravida Kazhagam (DK). From DK itself emerged other Dravidian political streams like DMK, AIADMK and MDMK, which are still fighting among themselves. Despite the dominance of Dravidian politics in Tamil Nadu, ideological conflict continues among these factions. While these ideologies became narrow and fragmented with time, on the other hand, the right-wing ideology continued to flourish under the umbrella of Rashtriya Swayamsevak Sangh. Before independence, where Hindu Mahasabha and Abhinav Bharat, dedicated organisations dedicated to Hindutva, were active, over time these organisations also got absorbed in the ideology of the Sangh. Not only this, initially, the dissatisfied right-wing leaders within the Congress may not have been a direct part of the organisations associated with the Sangh, but they did not hesitate to embrace the Sangh Parivar. The political experiment of the Sangh in the form of Jan Sangh was not as successful as expected, but it definitely played an important role in the formation of the first non-Congress government in the country. Even Gandhian leaders like Jayaprakash Narayan did not have any qualms about the Sangh. Veteran Congress leaders like Morarji Desai and Jagjivan Ram also became part of the government formed with the support of the Sangh. After the failed experiment of the Janata Party, the Sangh supported a new beginning in the form of the BJP and the BJP, which at one time reached 303 Lok Sabha seats from two Lok Sabha seats, has amazed everyone with its success. Other organisations of the Sangh have also been successful in their expansion. The quality of the ideologies that are opposite to the contradiction of contraction and expansion cannot be clearly established, but it can certainly be understood what could be the reasons for their development and backwardness. The most important reason in this seems to be that leftist ideology While the current was overly influenced by internationalism and could not present its true Indian form, the Sangh succeeded in moving forward through social inclusion, Hindutva and nationalism. In the last decade of the last century, the country witnessed major changes in the form of Mandal, temple and market, and the Sangh perhaps capitalized on those circumstances better than others.

## आईपीएस अफसर की हरकतों से विभाग परेशान, छुट्टी पर भेजा...जानिए पूरा मामला

निजी अस्पताल में इलाज कराने और मेडिकल बोर्ड से जांच के बाद छुट्टी पर भेजा गया, खुद को कल्क का अवतार बताते हैं आईपीएस अफसर, सिपाही को पीटने का आरोप

मुरादाबाद- जिले में तैनात आईपीएस अफसर की अजीबो-गरीब हरकतों से विभागीय अधिकारी परेशान हैं। स्टाफ में खुद को कल्क का अवतार बताने वाले पुलिस अफसर की अजीबो-गरीब हरकतों की चर्चा भी खूब हो रही है।



बहरहाल, अफसर का उपचार कराने के बाद अवकाश देकर घर भेजा गया है। मामला आईपीएस अधिकारी से जुड़ा होने के कारण अधिकारी कुछ भी बोलने से कतरा रहे हैं। मुरादाबाद में तैनात आईपीएस अफसर को एसएसपी सतपाल अंतिल ने सर्किल में एसएसपी तैनात किया था, लेकिन उनकी हरकतों के चलते दस दिन के भीतर ही चार्ज वापस लेकर पुलिस लाइन में तैनात कर दिया था। इनकी पिछले दस दिनों से विभाग में चल रही अजीबो-गरीब हरकतों को लेकर हर किसी की जबान पर इन्हीं की चर्चा है। बताया जाता है कि गणतंत्र दिवस से पहले परेड की तैयारी चल रही थी और मैदान को परेड के लिए तैयार किया जा रहा था, तब आधी रात ये अफसर ग्राउंड में पहुंच गए थे और जमीन पर लोटने लगे थे। सूचना मिलने पर लाइन में मौजूद अधिकारी मौके पर आए और समझा-बुझाकर आवास तक भेजा गया। आईपीएस अफसर के यातायात अधिकारी के दफ्तर में हंगामा करने की चर्चा भी खूब हो रही है। बताया जा रहा है कि यह अफसर दो सिपाहियों को घर ले गए और अजीब हरकतें कर चुके हैं। यहां तक उनके साथ मारपीट करने के भी आरोप हैं। महकमे में चर्चा है कि आईपीएस अफसर अपने को कल्क का अवतार बताते हैं। इनके हंगामे और हरकतें बढ़ने पर एसएसपी के निर्देश निजी चिकित्सालय में उपचार कराया गया। खबर मिली है कि मेडिकल बोर्ड भी इनकी जांच कर चुका है। अस्पताल में भर्ती करने के बाद पुलिस अफसरों ने परिवार को अवगत कराया था। परिजन के आने पर आईपीएस अफसर को दस दिन के अवकाश पर घर भेज दिया है। हैरानी की बात यह है कि विभाग में चर्चा खूब हो रही है, लेकिन अधिकारी कुछ बताने को तैयार नहीं हैं।

## दो फरवरी से रामगंगा पुल बंद होने के आसार, रामपुर और बरेली जाने वाले यात्रियों को होगी परेशानी

मुरादाबाद-रामगंगा पुल की मरम्मत के लिए इसे रविवार रात से बंद किया जा सकता है, जिसके लिए पंडित नगला बाईपास पर सर्विस रोड लगभग तैयार है। पुल बंद होने के कारण बरेली और रामपुर की तरफ जाने वाले यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ सकती है। रामगंगा पुल की मरम्मत के लिए रविवार से इसे बंद किया जा सकता है। ट्रेफिक को दूसरे रास्ते से गुजारने के लिए पंडित नगला बाईपास पर सर्विस रोड का

जनवरी से पुल को बंद करने की होने के कारण सेतु निगम ने दो मांगा। अब शनिवार को ट्रेफिक निगम, रोडवेज प्रबंधन, सेतु निगम को बंद करने की तारीख पर



निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। 30 योजना थी लेकिन सर्विस रोड तैयार न दिन का अतिरिक्त समय प्रशासन से पुलिस, लोक निर्माण विभाग, नगर के बीच बैठक होगी। इसमें रामगंगा पुल निर्णय लिया जाएगा। संभावना है कि रविवार रात से पुल को बंद कर दिया जाएगा। पंडित नगला बाईपास पर सर्विस रोड बनने के कारण यातायात पुलिस ने भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगा रखा है। दिन के समय हल्के वाहन गुजर रहे हैं लेकिन रात में बाइक, कार, टेंपो जैसे हल्के वाहनों को भी रोक दिया गया है, जिससे सड़क निर्माण का काम तेजी से हो सके। डीएम अनुज सिंह ने रामगंगा पुल की मरम्मत के लिए सेतु निगम को दस दिन के अंदर सर्विस रोड बनाने के निर्देश दिए थे। सेतु निगम ने दो दिन का समय और मांगा है। एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि शनिवार की बैठक में तय किया जाएगा कि रामगंगा पुल को कब से बंद करना है। इन मार्गों से गुजारे जा रहे वाहन-हनुमान मूर्ति तिराहा से कोहिनूर तिराहे की तरफ जाने वाले हल्के एवं भारी वाहन काशीपुर तिराहा, दलपतपुर, जीरो प्वाइंट पुराना टोल प्रथम, संभल कट से गुजारे जा रहे हैं। इसी रास्ते से वापस लौट रहे हैं। संभल-चंदौसी की ओर जाने वाले वाहन हनुमान मूर्ति, काशीपुर तिराहा, दलपतपुर जीरो प्वाइंट, पुराना टोल द्वितीय होते हुए चंदौसी कट से जा रहे हैं। इसी मार्ग से वापस आ रहे हैं। हनुमान मूर्ति से एनएच-9 की ओर जाने वाले सभी वाहन काशीपुर तिराहा, दलपतपुर जीरो प्वाइंट होकर एनएच-9 तक पहुंच रहे हैं और उसी मार्ग से वापस लौट रहे हैं।

## सीएम ग्रिड के सड़क निर्माण में ड्राइंग के बाद काम में आएगी तेजी, 25 करोड़ रुपये की लागत से बनकर होगी तैयार

चौधरी चरण सिंह चौक से केल्टन स्कूल तक के मार्ग ( मझोला रोड ) के समेकित विकास के लिए मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम के अंतर्गत तैयार होगी सुविधायुक्त सड़क मुरादाबाद-मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम के अंतर्गत चौधरी चरण सिंह चौक से केल्टन स्कूल तक के मार्ग ( मझोला रोड ) के समेकित विकास के लिए 25 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सड़क के निर्माण काम में ड्राइंग के बाद तेजी आएगी। इस कार्य का शिलान्यास 26 जनवरी को मंडलायुक्त व महापौर ने किया था। चौधरी चरण सिंह चौक से केल्टन स्कूल तक के मार्ग ( मझोला रोड ) के समेकित विकास के लिए मुख्यमंत्री ग्रीन विकास होना है। इसका पिछले दिनों लखनऊ से आई टीम ने लंबी इस सुविधायुक्त सड़क की लागत 25 करोड़ रुपये है। यह सभी के लिए ( सड़क फार आल ) जैसे बच्चों, महिलाओं, वरिष्ठ सभी उपयोगिताओं की भूमिगत स्थापना रहेगी। इस सड़क पर लिए सड़क की खोदाई करने की मनाही रहेगी। इस पर हरित नगर निगम के मुख्य अभियंता दिनेश चंद्र सचान ने बताया कि आएगी। अतिक्रमण हटने पर दूर होगी स्मार्ट सिटी के महत्वपूर्ण परियोजनाओं के कार्य में अड़चन बने अतिक्रमण को हटवा कर हैलेट रोड, जीएमडी रोड क्षेत्र में अतिक्रमण से स्मार्ट सिटी की लंबित है। जबकि इसके पूरे होने से महानगर के इस क्षेत्र में स्मार्ट चलते होने वाली समस्या दूर हो जाएगी। स्मार्ट सिटी लिमिटेड की दो महत्वपूर्ण परियोजना 127 करोड़ रुपये लागत की स्मार्ट रोड नेटवर्क और 69.04 करोड़ रुपये से पुराने बाजारों के सौदाईकरण की परियोजना का कार्य लंबित है। कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम की लचर कार्यशैली और बुध बाजार, इम्पीरियल, हैलेट रोड क्षेत्र में फुटपाथ पर अतिक्रमण व नालों पर किए गए अवैध निर्माण से काम अधर में है। कई बार अवसर देने के बाद भी अतिक्रमण की रुकावट दूर न होने पर अब मंडलायुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई है। जिसके बाद एक बार फिर अतिक्रमण हटाने पर नगर निगम प्रशासन और स्मार्ट सिटी के अधिकारियों का जोर है। सड़क के फुटपाथ और नालों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए फिर से अभियान चल रहा है। जिससे लंबित परियोजना जल्द पूरी हो सके। वहीं पिछले दिनों स्मार्ट सिटी के निदेशक मंडल की बैठक में लंबित पांचों परियोजनाओं को मार्च तक पूरा कराने के लिए कहा गया है। अपर नगर आयुक्त प्रथम व स्मार्ट सिटी के एसीईओ अतुल कुमार का कहना है कि बुध बाजार, हैलेट रोड, जीएमडी रोड आदि क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने के लिए फिर अभियान चला रहे हैं। इसके बाद कार्य में तेजी आएगी। फरवरी में दो परियोजनाएं स्मार्ट रोड नेटवर्क और रेट्रोफिटिंग आफ ओल्ड मार्केट एरिया का काम पूरा करा दिया जाएगा।



## प्रदूषण बोर्ड ने 34 ई-कचरा जलाने वाले अवैध भट्टी संचालकों को जारी किया नोटिस, बुजुर्गों को सांस लेने में हो रही परेशानी

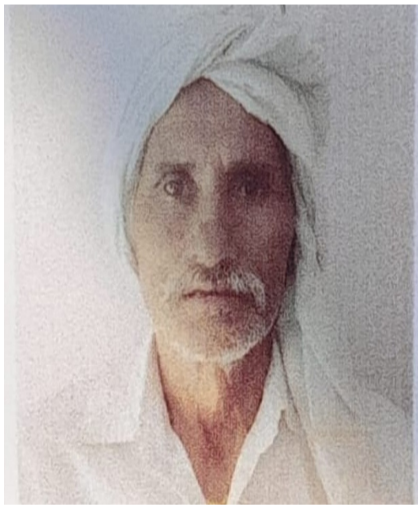
15 दिन के भीतर दिखाने होंगे अभिलेख, नहीं तो भट्टियां बंद होंगी, फैक्ट्री के आसपास रहने वाले बुजुर्गों को सांस लेने में हो रही परेशानी मुरादाबाद-जिले में चल रही अवैध ई-कचरा जलाने वाली भट्टियों पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 34 अवैध तरीके से ई-कचरा जलाने वाली भट्टियों के संचालकों को नोटिस जारी किया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सभी भट्टियों के संचालकों से वैध होने का अभिलेख मांगा है। 15 दिन के भीतर अभिलेख जमा करने होंगे। अभिलेख न होने पर भट्टियों के स्वामियों या संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करते भट्टियों को बंद करा दिया जाएगा।



जिला पर्यावरण समिति के सदस्य केके गुप्ता की मांग पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी ने हाल में ई कचरा जलाने वाली दो भट्टियों को सील कर दिया था। इसके बाद कार्रवाई के दौरान लालबाग और अन्य स्थानों से भी संचालक भट्टियों को बंद करके भाग गए थे। जिले में अवैध भट्टियों का संचालन दो चार दिन के लिए बंद हो गया। जिसके बाद जिला पर्यावरण समिति के सदस्य केके गुप्ता ने क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण आशुतोष चौहान को अन्य मोहल्लों और गांव में चल रही अवैध भट्टियों पर रोक लगाने के लिए पत्र लिखकर मांग की। उन्होंने बरबलान के बाद ताजपुर, लालबाग, छड़ियों के मैदान, आरटीओ कार्यालय के पीछे जन्नत बाग में भट्टियों का संचालन होने की बात कही है। उन्होंने लिखे पत्र में फैक्ट्री के आसपास रहने वाले लोगों का जीना मुश्किल होने के साथ ही आसपास रहने वाले बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी का जिक्र किया है। उन्होंने महानगर के घनी आबादी के बीच चल रही अन्य फैक्ट्रियों पर कार्रवाई करने का मुद्दा उठाया था। जिसके बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जिले में 34 भट्टियों को चिह्नित कर गुरुवार को नोटिस जारी किया है। जिसमें सभी भट्टी संचालकों को ई-कचरा जलाने की भट्टियों को वैध होने के अभिलेख मांगे हैं। सभी को 15 दिन के भीतर अपने अभिलेख दिखाने होंगे। अभिलेख न होने की स्थिति में भट्टियों को अवैध मानते हुए सभी को एयर एक्ट अधिनियम के अंतर्गत सील कर दिया जाएगा। इसकी रिपोर्ट प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड लखनऊ भेजी जाएगी। जिसके बाद भट्टी संचालकों पर जुर्माना और अन्य संबंधित कार्रवाई की जाएगी।

## ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार फर्म कर्मी की मौत, ड्यूटी करने जा रहे थे...लाकड़ी बाईपास पर हुआ हादसा

मुरादाबाद-मझोला थाना क्षेत्र में चौहानों वाली मिलक में शनिवार सुबह ट्रक की टक्कर से फर्म कर्मी की मौत हो गई। हादसे के मच गया। सूचना मिलते पहुंचे और शव को कब्जे भेज दिया है। हादसे की में कोहराम मचा हुआ है। नारायणपुर निवासी लाकड़ी स्थित फर्म में में पत्नी, पांच बेटे और सुबह करीब 8-30 बजे फर्म में ड्यूटी करने जा रहे बाईपास पर चौहानों वाली उनकी साइकिल में टक्कर चंद्रपाल गंभीर घायल हो उन्हें जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची मझोला पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। चंद्रपाल की मौत के बाद से परिवार में कोहराम मचा है। भीड़ का फायदा उठाकर ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया है। पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर अपने साथ थाने ले आई और वैधानिक कार्रवाई करने में जुट गई है।



बाद हाइवे पर हड़कंप ही थाना प्रभारी मौके पर में लेकर पोस्टमार्टम को सूचना मिलते ही परिवार थाना मझोला के मानपुर चंद्रपाल सिंह (59) काम करते थे। परिवार एक बेटा है। शनिवार चंद्रपाल साइकिल से थे। रास्ते में लाकड़ी मिनी मिलक के पास ट्रक ने मार दिया। हादसे में गए। आनन-फानन में भर्ती कराया गया जहां

## संक्षिप्त समाचार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का समझौता बेकार, दहेज उत्पीड़न जारी...विवाहिता ने SSP से की शिकायत

मुरादाबाद- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में दंपती को समझा-बुझाकर घर भेजने के बाद विवाहिता का उत्पीड़न जारी रहा है। दहेज के लिए मारपीट किए जाने पर विवाहिता ने एसएसपी से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है जिसपर महिला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इस मामले में आरोप है कि रामपुर पुलिस रिपोर्ट दर्ज करने के बजाए समझौते के लिए दबाव बनाती रही थी। इसी तरह दहेज उत्पीड़न का एक और मामला सामने आया है। कटघर थाना क्षेत्र के बलदेवपुरी निवासी हरिओम की पुत्री राधा का विवाह रामपुर के ज्वाला नगर निवासी अरविंद सक्सेना पुत्र रूपकिशोर के साथ जनवरी 2021 में हुआ था। आरोप है कि ससुराल वाले दो लाख रुपये और मांगते रहे तथा इसके लिए प्रताड़ित करते रहे। राधा के मुताबिक पति उसे लेकर नोएडा चले गए थे, लेकिन दहेज की मांग बरकरार रही। इस दौरान देवर सरवन ने अपकृत्य भी किया था जिसकी शिकायत उसने महिला थाने में की थी। यहां से मामला जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजा गया। प्राधिकरण ने दोनों को समझाया और समझौता करा दिया था। इसके बाद भी दहेज की मांग जारी रही और सितंबर-2024 में उसे रामपुर के घर से मारपीट कर निकाल दिया। उसने रामपुर के संबंधित थाने में शिकायत की, लेकिन पुलिस ने तीन बार उसे बुलाकर समझौते का दबाव बनाया। महिला थाने में रिपोर्ट करके जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा शुकवार को बरेली की रहने वाली आकांक्षा डेनियल ने एसएसपी से मिलकर दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि उसका विवाह राहुल डेनियल निवासी बुद्धि विहार के साथ वर्ष 2020 में हुआ था। आरोप है कि ससुराल वाले दहेज के लिए मारपीट करते हैं। उसके गंधधारण करने पर उसे मारपीट करके निकाल दिया। गुरुवार को वह ससुराल गई तो मारपीट की और अभद्रता की गई। एसएसपी ने जांच करके कार्रवाई करने का भरोसा जताया है।

## किशोरी से दुष्कर्म कर वीडियो बनाने वाले सिपाही के खिलाफ FIR, सीतापुर में है तैनाती

मुरादाबाद- शादी का झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म करने व वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने में सिपाही के खिलाफ मूंडापांडे थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने पाक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के तथ्यों के अनुसार अगली कार्रवाई की जाएगी। मूंडापांडे थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती ने भगतपुर थाना क्षेत्र निवासी सिपाही पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने व अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि छह साल पूर्व जब वह नाबालिग थी तो भगतपुर के गांव मिलक मेवाती निवासी मोनू आर्य से हुई थी। मोनू उनके घर आने लगा था। इस बीच मोनू ने उससे विवाह का प्रस्ताव रखते हुए माता पिता से भी विवाह करने की बात की थी। 7 जुलाई 2019 को दोपहर वह घर में अकेली थी तब मोनू आर्य घर आ गया था। इसी दौरान उसने दुष्कर्म किया। विरोध करने पर शादी करने की कसम देकर शांत करा दिया। इसी दौरान उसकी वीडियो भी बना ली थी। आरोप है कि मोनू आर्य उसे अपनी पत्नी कह कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया करता। यही नहीं आरोपी के भाई और बहन ने भी शादी कराने का भरोसा दिया था। पीड़िता का कहना है कि साल 2021 में मोनू आर्य का युपी पुलिस में सिपाही के पद पर चयन हो गया और सीतापुर में तैनाती मिली। उसने बताया कि करीब दो माह पूर्व मोनू आर्य सीतापुर से उसके घर आया था और उसके साथ फिर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया इसके बाद उसने शादी से मना कर दिया। गांव में पंचायत हुई तो मोनू आर्य, भाई राहुल आदि ने पांच लाख रुपये लेकर मामला रफा दफा करने को कहा था। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि युवती की शिकायत पर मोनू आर्य के खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए०एच०प्रिंटर्स, ए-11, असासलतपुरा, लंगड़े की पुलिस, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा  
मो. 9027776991  
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## तूलिका जनकल्याण साहित्यिक संस्था द्वारा बसन्त महोत्सव का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली तूलिका जन कल्याण साहित्यिक संस्था बरेली द्वारा वसंत पंचमी की पूर्व संध्या पर तूलिका वसंत महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं झारखंड के



राज्यपाल संतोष गंगवार व विशिष्ट अतिथि श्रुति गंगवार ने माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन, गणेश वन्दना कर के किया गया। वसन्त ऋतु के आगमन के उपलक्ष्य में उसके स्वागत के लिए महोत्सव में एकत्रित हुये क्षेत्र के नामी कवि एवं कवियत्रियों ने काव्य पाठ किया। संस्था की अध्यक्ष डॉ? मोनिका अग्रवाल ने स्वरचित गीत- वासंती फूल जैसी अनकही कोई तपन है, प्रीत भरी माधुरी की पिया से लागी लगन है, ले टेसूओं आरती रंग रोली वारती, पीली हठौली पाखुरी न दांव अपने हारती, बावरी सी पंखुरी की बावरी सी ये लगन है, वासंती फूल जैसी....." सुना कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। संस्था की संरक्षक निरुपमा अग्रवाल का गीत- "देता वसंत यौवन को गति,, मन हो जाता है चंचल मदमस्त पवन का झोंका बन यूँ ढक लेता ज्यों अंचल" सुनकर लोग झूमने पर मजबूर हो गए। रोहित राकेश ने वसंत का स्वागत "आओ वसंत स्वागत है तुम्हारा..." गीत सुना कर किया। डॉ? निधि मिश्रा ने "दिन ललित वासंती आन लगे....." सुना कर दर्शकों की वाहवाही लूटी। डॉ? रागनी ने "तन वसंत आयो रे राधा....." सुनाया। डॉ? हितु मिश्रा का राग बसंती पर "ऋतु वसंत भाये रे....." गीत बहुत सराहा गया। कार्यक्रम में संगीत साधिका डॉ? रीता शर्मा और प्रख्यात कवि रोहित राकेश को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, संस्था की संस्थापक डॉ? मोनिका अग्रवाल, संरक्षक निरुपमा अग्रवाल द्वारा तूलिका सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ? वंदना खन्ना दुगल, डॉ? पारुल अग्रवाल, डॉ? रजनी अग्रवाल, श्रेया, नंदा अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, बूबना, मनीष अग्रवाल नाइस, रश्मि, प्रिया विशिष्ट, आशा मूर्ति, तूलिका गोयल आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रोहित राकेश व संयोजन साहित्यकार डॉ? मोनिका अग्रवाल ने किया।

## घटिया सड़क का निर्माण करने वाली फर्मों पर ढाई लाख जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। नगर निगम के चार निर्माण कार्यों की पहली बार मौके पर ही मशीन से जांच की गई। दो निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री के इस्तेमाल की पुष्टि के बाद उन्हें कराने वाली फर्मों पर ढाई लाख का जुर्माना डाला गया है। नगर निगम के चीफ इंजीनियर मनीष अवस्थी ने शुरुवार को इन निर्माण कार्यों की जांच की। हार्टमन क्रासिंग के पास नर्सरी रोड पर हॉटमिक्स सड़क सुधार कार्य संतोषजनक मिला। गांधीपुरम वार्ड- 46 में आश्रमगृह रोड से खुशबू नर्सरी होते हुए समाधि गौंटिया तक नाले के निर्माण में लगाई जा रही ईंटों की स्ट्रेथ की जांच की गई तो वे 20 फीसदी कमजोर पाई गई। चिनाई में मसाला भी ठीक नहीं पाया गया। चीफ इंजीनियर ने इस पर यह काम करा रही फर्म एमबी कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर्स पर दो लाख रुपये की पेनाल्टी लगाई। वार्ड 17 हरुनगला के अग्रसेन नगर में सीसी टाइल्स सड़क निर्माण और गली अरशी में हॉटमिक्स सड़क के साथ नाली निर्माण की गुणवत्ता भी अधोमानक पाई गई। यह काम करा रही फर्म केलाशा कंस्ट्रक्शंस पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। इसी वार्ड के संसार एन्क्लेव में सीसी सड़क निर्माण में लगाई गई ईंटें संतोषजनक गुणवत्ता की पाई गई। सीएम प्रिड के काम की जांच की गई है मशीन सीएम प्रिड योजना के तहत प्रस्तावित सड़कों की निर्माण सामग्री की जांच के लिए मशीन आई है। इसी मशीन से शुरुवार को नगर निगम के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच की गई। चीफ इंजीनियर ने बताया कि मशीन साइट ऑफिस में रखी है। ईंट, टाइल्स, कंक्रीट जैसी निर्माण सामग्री साइट ऑफिस में लाकर ठेकेदार के सामने जांच की जाती है। फौरन इसका रिजल्ट मिल जाता है।

## डिजिटल साक्षरता एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रमों पर आधारित रहा चौथा राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। बरेली कॉलेज बरेली के प्राचार्य प्रोफेसर ओ0 पी 0राय के संरक्षण में राष्ट्रीय सेवा योजना की छत्र इकाई द्वितीय एवं तृतीय के चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन \*माई भारत के लिए युवा एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा में विषय पर चर्चा हुई जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बरेली कॉलेज की मुख्य प्रवेश निर्यंत्रक एवं इन्फू अध्ययन केंद्र बरेली की समन्वयक प्रो वंदना शर्मा



ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं के करियर को गति देने में विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का योगदान महत्वपूर्ण है वर्तमान के प्रतियोगिता दौरे में युवाओं के लिए विभिन्न एवं अनेकों अवसरों का सफल प्लेटफार्म इन्फू प्रदान करता है और सफल होने के लिए हमें कुछ विशेष और अलग हट कर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के अध्ययन में सलंगन होना होगा जिससे कैरियर को नया और ऊंचा मुकाम दे सके। ऐसे पाठ्यक्रम आपके व्यक्तित्व को एक विशेष पहचान दिलाते हैं। चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता दौरे में इन्फू विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा के जरिए अपने रुचि एवं करियर के अनुकूल पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपना भविष्य बना सकते हैं। मानवाधिकार की बात हो आपदा प्रबंधन की बात हो या वर्तमान सूचना एवं प्रौद्योगिकी युग में डिजिटल साक्षरता की ऐसे में डिप्लोमा कोर्स, सर्टिफिकेट कोर्स, स्नातक अथवा परास्नातक आदि पाठ्यक्रमों के माध्यम से किसी कार्य में सलंगन होते हुए भी अपनी पढ़ाई को पूरी किया जा सकता है। तत्पश्चात् स्वयंसेवकों ने चयनित बस्तियों खुर्दम गोठिया एवं सिकलापुर में जाकर युवाओं को माई भारत पोर्टल एवं डिजिटल साक्षरता के लिए विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से संबंधित जानकारी देने का कार्य किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ यशार्थ गौतम, डॉ बृजवास कुशवाहा, इन्फू अध्ययन केंद्र के सहायक समन्वयक डॉ अंकुर श्रीवास्तव, सरस शर्मा, भजन लाल, दीपक कुमार, लालाराम, हरराम, दीपक एवं स्वयंसेवकों में सचिन, अभिषेक, आदित्य, कमल पटेल, आलोक शर्मा, लीलेंद्र, महावीर आदि मौजूद रहे।

## डॉग शो 23 फरवरी को आईवीआरआई में आयोजित किया जायेगा

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। रोहिलखंड कैनाइन क्लब द्वारा 23 फरवरी को ऑल ब्रीड चैंपियनशिप डॉग शो का आयोजन किया जा रहा है। यह डॉग शो आईवीआरआई परिसर में 23 फरवरी को आयोजित किया जायेगा। यह



जानकारी क्लब के पदाधिकारियों ने एक प्रेसवार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि इस डॉग शो में देशी-विदेशी नस्ल के कुत्तों की प्रदर्शनी भी होगी। अब तक लगभग 60 इंट्री हो चुकी हैं, लगभग 200 इंट्री होने की संभावना है। जजों द्वारा चुने गए श्वान को बेस्ट इंडियन डॉग के पुरस्कार से नवाजा जाएगा। जिसमें टूफी व प्रमाण पत्र दिया जायेगा। इस शो में देशी व प्रतिबंधित नस्ल के श्वान भी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में वही श्वान भाग ले सकेगा जिनको सुरक्षा चिप लगी हुई है। निर्णायक मंडल में कैनाइन जज कानपुर और अमृतसर से आयेंगे। पंजीकरण के लिए डा. डीके टंडन के मोबाइल नंबर 9837038904, डॉ. अभय तिलक के मोबाइल नंबर 9837066113 पर संपर्क कर सकते हैं। प्रेसवार्ता में अमित यादव, संदीप वी. नक्षत्र, अभिजीत पावड़े, अभय तिलक, राकेश भंडारी, डा. डीके टंडन, पवन भंडारी मौजूद रहे।

## विवाहिता से जेठ और चचिया ससुर ने किया सामूहिक दुष्कर्म

अभी तक नहीं हुई गिरफ्तारी, पीड़िता ने लगाई एसएसपी से न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। जिले के कैंट थाना क्षेत्र में एक विवाहिता के साथ उसके जेठ और चचिया ससुर द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है,



लेकिन आरोपी अभी भी फरार हैं। पीड़िता के अनुसार, 26 दिसंबर 2024 को वह अपनी ससुराल कपड़े लेने गई थी, जहां परिजनों ने उसे घर में घुसने नहीं दिया और मारपीट कर भाग दिया। घर लौटते समय श्रमशान घाट के पास उसके जेठ और चचिया ससुर ने उसे जबरन पकड़ लिया और पास के खेतों में ले जाकर दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता किसी तरह अपने घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। पीड़िता पर समझौते का दबाव पीड़िता ने आरोप लगाया कि मामले की शिकायत करने के बाद आरोपी लगातार उसे और उसके परिवार को धमका रहे हैं। 30 जनवरी की रात आरोपी उसके घर पहुंचे और समझौता करने का दबाव डालते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पुलिस की कार्रवाई मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण और न्यायालय में बयान भी हो चुका है। हालांकि, अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पीड़िता के परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य से जल्द कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## डेढ सौ से अधिक संविदा विद्युत कर्मियों को नौकरी से निकालने पर कर्मचारियों ने किया विरोध प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। नौकरी से कर्मचारियों को हटाए जाने के विरोध में विद्युत संविदा मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं ने संविदा कर्मियों के साथ मुख्य अभियंता के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। विद्युत वितरण



बरेली मंडल में जारी कंपनी के अनुबंध में आर्वाटिड कर्मियों की संख्या 20 प्रतिशत कम करने का मामला चल रहा था। जिसको लेकर संविदा कर्मचारियों ने कई बार धरना प्रदर्शन किया था। ड्यूटी कर रहे थे कर्मचारियों को शनिवार सुबह अचानक ग्लोबल कम्पनी द्वारा 168 संविदा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया उनकी सेवाएं समाप्त कर दी। कर्मचारियों को जब इस बात की जानकारी बरेली जिले के कर्मचारी इकट्ठे हो गए और मुख्य अधिशासी अभियंता के कार्यालय पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन में पुनीत राय, नवल किशोर सक्सेना, सुनील गोस्वामी, नरेश पाल सिंह, जहीर खान, असलम खान आदि मौजूद रहे।

## छात्रा को पैड नहीं देने के मामले में जांच पूरी, स्कूल पर कार्रवाई के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। गुरुनानक रिक्खी सिंह कन्या इंटर कॉलेज की छात्रा को स्कूल टाइम में मासिक धर्म ( पीरियड्स ) आने पर कॉलेज प्रशासन की ओर से सेनेटरी पैड नहीं दिए जाने के मामले की प्राथमिक जांच में प्रधानाचार्य व शिक्षिकाओं की लापरवाही सामने आई है। डीआईओएस ने कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। छात्रा के पिता ने राज्य महिला आयोग, महिला कल्याण विभाग, डीएम और डीआईओएस से मामले की लिखित शिकायत की थी। डीआईओएस ने दो सदस्यों जांच कमेटी गठित की थी। कमेटी ने जांच पूरी करने के बाद शुरुवार को रिपोर्ट सौंप दी। इसमें समिति ने यह स्पष्ट किया है कि मामले में स्कूल स्टाफ ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई। इससे छात्रा को मानसिक पीड़ा सहनी पड़ी।

रिपोर्ट में साफ तौर पर स्कूल की प्रधानाचार्य और संबंधित शिक्षिकाओं की लापरवाही बताई गई है। बीते दिनों छात्रा को स्कूल टाइम में मासिक धर्म हो गया था। सेनेटरी पैड मांगने पर कॉलेज प्रशासन ने उसे क्लासरूम से बाहर कर दिया था। एक घंटे तक उसे पैड नहीं दिया गया तो उसी हाल में वह घर चली गई थी। इस दौरान कपड़े खराब होने से उसे रास्ते में शर्मिंदगी उठनी पड़ी थी। डीआईओएस डॉ. अजीत कुमार ने बताया कि जांच में स्टाफ की लापरवाही सामने आई है। ऐसे मामले में स्टाफ को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए थी। स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी करने के लिए कहा गया है। सभी का पक्ष जानने के बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया है। प्रधानाचार्य रचना अरोरा ने कहा कि इस मामले में स्कूल की ओर से कोई भी लापरवाही नहीं की गई है। छात्रा स्कूल में रुकी ही नहीं, सीधा गेट से बाहर निकल गई थी। स्कूल परिसर में लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग इसका सबूत है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश ( Birthday, anniversary, any kind of message ) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुआ खिचड़ी सहभोज

क्यूँ न लिखूँ सच

रिवौरा। बसन्त पंचमी के पावन पर्व पर ग्लोबल पब्लिक स्कूल



रूपपुर में मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना की गई। प्रधानाचार्या प्रेमवती ने खिचड़ी सहभोज स्कूली बच्चों, अभिभावकों एवं आम नागरिकों के लिए आयोजित किया। स्कूली बच्चों ने मां शारदे की बंदना के साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सभी बच्चे पीले वस्त्रों को धारण कर स्कूल पहुंचे जो सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। इस दौरान बेसिक शिक्षा समिति के संगठन मंत्री प्रदीप कुमार गुप्ता, मनोज कुमार, शिक्षिका सीमा पटेल, कंचन, गुड्डि, योगेंद्र कुमार, संतोष गंगवार, सचिन कुमार, सर्वेश गंगवार, फैज, नईम खान, आदि स्टाफ मौजूद रहा।

### एक दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएं हुई सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच

रिवौरा। खण्डेलवाल कॉलेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खिलाड़ियों के लिए शनिवार का दिन बहुत ही जोश भरा रहा। शानदार मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच शुभारंभ हुआ, इसमें सभी संकाओं के 175 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इसमें प्रतिभागियों ने रिले दौड़, हाई जंप, लांग जंप, शॉटपुट विभिन्न खेलों में हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को खेल भावना से खेलना चाहिए। इस प्रतिभा को ज्यादातर भाग लेने की सलाह दी। इससे जीत और हार के मायने बताएं परंतु प्रतियोगिता में भाग लेना महत्वपूर्ण है। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एस.एस. बेदी, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी एमजेपीआरयू, चैयरमैन गिरधर गोपाल, प्रबन्धक निदेशक डॉ. विनय खण्डेलवाल, महानिदेशक डॉ. अमरेश कुमार व प्राचार्य डॉ. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों को मेडल बांटकर व प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया। 100 मीटर में बालक वर्ग में प्रथम अर्शीदीप, द्वितीय मोहित कटारिया, तृतीय तौहीद खान, 100 मीटर बालिका वर्ग में प्रथम प्रीति पटेल, द्वितीय, मंजू, पटेल, तृतीय खिजरा और 800 मीटर में राजकुमार प्रथम, अभिषेक द्वितीय, रजत सिंह तृतीय, लॉन्ग जंप में बालक वर्ग में अभिषेक प्रथम, मो. आमिर द्वितीय, तौहीद खान तृतीय, शॉट पुट में प्रीति पटेल प्रथम, मंजू पटेल द्वितीय, निशा तृतीय स्थान एवं शॉट पुट बालक वर्ग में अनुज प्रथम, सोम्या द्वितीय, निशान्त तृतीय स्थान पर रहे। ओवरऑल चैंपियन प्रीति पटेल, एमबीए प्रथम वर्ष रहीं। और यह पूरी प्रतियोगिता अभिनव सिंह, क्रीड़ाधिकारी सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

### बसन्त पंचमी को जन्मे बच्चों का धूमधाम से मनाया गया जन्मोत्सव

क्यूँ न लिखूँ सच

रिवौरा। कम्पोजिट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गूंगा में ज्ञान



की देवी मां सरस्वती के विशेष पूजन बसंत पंचमी को जन्मे कक्षा चार के बच्चों का जन्मोत्सव स्कूल परिसर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानाचार्य ऋषि पाल सिंह ने निजी कोष से के क मंगवाकर काटा खीर पुड़ी खिलवाई गयी। बच्चों ने भी जमकर मस्ती की। इस दौरान शुभि अवस्थी, स्वाति सिंह, ममता देवी, संगीता, शिखा गंगवार, ममता देवी, अंकित गुप्ता, वीरेंद्र सिंह सहित तमाम स्टाफ मौजूद।

## डीएम व एसएसपी ने सुनी जन शिकायतें

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने तहसील बिल्सी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को शिकायतों का गंभीरतापूर्वक व समयबद्ध निस्तारण करने के लिए कहा।



उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर 62 शिकायती व प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 05 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी ने गत सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के संबंध में शिकायतकर्ता को फोन करवाकर उनकी संतुष्टि भी जानी। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण मा0 मुख्यमंत्री जी की प्रार्थमिकताओं में है। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर ग्राम दविहारी के राम रक्षपाल सिंह ने शिकायती पत्र दिया किया कि उसकी खतौनी ऑनलाइन पोर्टल पर दिखाई नहीं दे रही है, जिस कारण फार्मर रजिस्ट्री पोर्टल पर केवाईसी नहीं हो पा रही है। उसने समस्या के निराकरण के लिए कहा, जिस पर जिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक को अग्रेतर कार्यवाही कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर ब्लॉक सहस्रवान के ग्राम रफीनगर निवासी श्याम चन्द्र ने शिकायती पत्र दिया कि उसके स्वर्गीय पिता पीतम सिंह का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु उसने सभी अभिलेख तहसील बिल्सी जमा किए थे, सचिव के पास जाने में वह टाल-मटोल करते हैं, जिस कारण उसे अभी तक उसके पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। उसने मृत्यु प्रमाण पत्र देने की मांग की, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी बिल्सी को अग्रेतर कार्यवाही कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर चकरोड पर से अवैध कब्जा हटवाने, भूमि की पैमाइश कराने सहित राजस्व विभाग की 20 अन्य विभागों की 42 सहित कुल 62 शिकायती व प्रार्थनापत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 05 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया तथा शेष के गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

## डीएम ने तहसील बिल्सी में किया निर्माणाधीन बस अड्डे का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने शनिवार को तहसील बिल्सी में निर्माणाधीन बस अड्डे का निरीक्षण किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) द्वारा बनाए जा रहे बस अड्डे के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए तथा समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए।



स ह । य क अ भि य त । यूपीपीसीएल रामहीत पटेल ने जानकारी देते बताया कि बस अड्डा लगभग 2100 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला है। जिसकी कुल लागत रूपए 225.40 लाख रूपए है। बस अड्डे का निर्माण कार्य 24 सितंबर 2024 से प्रारंभ किया गया था तथा 23 जून 2025 तक इसको पूर्ण किया जाना है। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य तेजी से जारी है तथा इसको समय सीमा से पूर्व पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बस अड्डे के अंदर मुख्य भवन जिसमें एक अधिकारी कक्ष व एक स्टाफ कक्ष, शौचालय ब्लॉक जिसमें दो-दो पुरुष व महिला शौचालय होंगे। तीन दुकानें भी बनाई जा रही हैं। यात्री प्रतीक्षालय आदि व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने बताया बस अड्डे में इंटरलॉकिंग टाइल्स का भी कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी तक 40 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। उन्होंने बताया कि यूपीपीसीएल की इकाई 6 बरेली बसअड्डे का निर्माण करा रही है। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

## सीएम योगी ने दी प्रतिक्रिया, बोले- देश को पांच ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने में सहायक होगा ये GYAN का बजट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि ये बजट देश को पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने में सहायक साबित होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट का पथर साबित होगा। प्रधानमंत्री परिभाषित कर दिया है। गरीब, युवा, अन्नदाता और विकसित बनेगा। उन्होंने कहा कि वंचित को ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के संकल्प प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार एवं वित्त मंत्री मातृशक्ति और समाज के अंतिम पंक्ति के सभी आगामी 5 वर्षों में 5 लाख महिलाओं, अनुसूचित तक का टर्म लोन देने की योजना, उनके महत्वपूर्ण कदम है। आम बजट %स्वस्थ भारत-तीन वर्षों में सभी जनपदीय अस्पतालों में डे केयर से आम जन को बेहतर स्वास्थ्य-सुविधा का लाभ सीएम योगी ने कहा कि आम बजट में 12 लाख सहित देश के करोड़ों नागरिकों को लाभान्वित करने जीवन शैली को समृद्ध करने के साथ ही उनके मध्यम वर्ग को बधाई! उन्होंने कहा कि आम बजट में युवाओं के सशक्तिकरण के लिए %सेंटर ऑफ एक्सिलेंस ऑफ स्किलिंग% व %सेंटर ऑफ एक्सिलेंस इन्फ्रूफर एजुकेशन% की स्थापना का निर्णय अत्यंत सराहनीय और स्वागत योग्य है। इस महत्वपूर्ण पहल से करोड़ों युवाओं को नवाचार और कौशल विकास के नए अवसर मिलेंगे। युवा शक्ति में नवाचार, जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने तथा %विकसित युवा-विकसित भारत% के लक्ष्य की पूर्ति में मील का पथर साबित होगा। आगामी 5 वर्षों में 50,000 अटल टिकरिंग लैब्स की स्थापना, ग्रामीण सेकेंडरी स्कूलों व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ब्रांडबैंड कनेक्टिविटी, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में डिजिटल क्रांति लाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तुत आम बजट में किसान क्रेडिट कार्ड पर ऋण की सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 75 लाख करने का निर्णय अत्यंत अभिनंदनीय है। करोड़ों अन्नदाता किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करता यह कल्याणकारी निर्णय किसान साथियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रति प्रधानमंत्री जी की प्रतिबद्धता को प्रकट करता है। किसान हितकारी बजट हेतु प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार एवं वित्त मंत्री जी का धन्यवाद!



प्रस्तुत किया गया बजट विकसित भारत के संकल्प की जी ने इसे %बढ़ावा% का बजट बताकर केवल चार अक्षरों में नारी शक्ति को सशक्त करने से ही देश आत्मनिर्भर और वरीयता, अंत्योदय को प्रमुखता देते और देश को पांच पथ पर तेज गति से ले जाने वाले इस बजट के लिए जी का धन्यवाद। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस बजट से वर्गों के उत्थान का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। आम बजट में जाति और जनजाति वर्ग के उद्यमियों को दो करोड़ रुपये सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और समृद्धि की दिशा में एक सुरक्षित भारत% की जीवंत झांकी है। इस बजट में आगामी केंसर सेंटर की स्थापना का प्रावधान है। निःसंदेह, इस निर्णय प्राप्त होगा। आर्थिक विकास हेतु मील का पथर सिद्ध होगा तक की आय को कर मुक्त करने का निर्णय मध्यम वर्ग वाला है। यह लोक-कल्याणकारी निर्णय आम जन की आर्थिक विकास हेतु मील का पथर सिद्ध होगा। समूचे

## वसंत पंचमी: अयोध्या में 20 लाख लोगों के आने की संभावना, चार पहिया वाहनों का प्रवेश हुआ प्रतिबंधित

वसंत पंचमी का पर्व रविवार और सोमवार को मनाया जाएगा। इस विशेष तिथि पर सरयू में पवित्र डुबकी लगाने के लिए लाखों लोग उमड़ रहे हैं। प्रयागराज महाकुंभ के श्रद्धालुओं का पलट प्रवाह रामनगरी में निरंतर जारी है। शुरुवात को भी कर मठ-मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। वसंत से अधिक श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना लागू है। अयोध्या में पूरा देश उमड़ रहा है। हर राज्य के श्रद्धालु शामिल होते हैं। कुछ लिए की गई व्यवस्था के चलते सरयू घाट, पांच से आठ किलोमीटर तक पैदल चलना की व्यवस्था की गई है। ट्रस्ट की ओर से रहा है। प्रसाद पाकर भक्त तुम नजर आते किया गया है और वाहनों को जिले की सीमा की भीड़ अधिक आ रही है। इसको देखते हुए आने-जाने की अनुमति दी जा रही है। स्टेशन कमिश्नर गौरव दयाल, डीएम चंद्रविजय सिंह, बलरामाचारी दुबे ने शनिवार को मेला क्षेत्र दर्शन की नई व्यवस्था-हनुमानगढ़ी में रोजाना के लिए दर्शन मार्ग पर रेलिंग लगाई गई है, साथ ही बैरिकेडिंग भी की गई है। हनुमानगढ़ी में जगमोहन की ओर जाने वाले रास्ते को श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के कारण बंद कर दिया गया है। मुख्य प्रवेश द्वार से श्रद्धालु मंदिर में घुस रहे हैं, दर्शन के बाद पीछे के मार्ग से निकाली हो रही है। जगमोहन में किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जा रहा है, इससे भीड़ नियंत्रण में आसानी हो रही है। इस वर्ष भी वसंत पंचमी दो दिन मनाई जाएगी। आचार्य शिवेंद्र ने बताया कि पंचमी तिथि पर रेवती नक्षत्र लगेगा तो सिद्ध योग, शुभ, मातंग, रवि, ययीजय, शुभ कर्तरी, बुधादित्य योग लगेगा। वसंत पंचमी पर मां को वस्त्र धारण कराकर स्थापित कराए। मां को पीले फूल, चंदन, पीले रंग का भोग आदि नैवेद्य अर्पित करें। दो फरवरी को शाम से यह पर्व प्रारंभ होकर तीन फरवरी को उदया तिथि तक है। आचार्य शिवेंद्र ने बताया कि माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत दो फरवरी को सुबह 09-14 बजे होगी और तीन फरवरी को सुबह 06-52 बजे समाप्त होगी। शास्त्र सम्मत विधान के अनुसार दो फरवरी रविवार को दोपहर के समय माघ शुक्ल पंचमी तिथि व्याप्त होने से वसंत पंचमी मनाई जाएगी। इस दिन सुबह 09-14 बजे तक शिव योग और उसके बाद पूरे दिन सिद्ध योग है। सरस्वती पूजन का मुहूर्त-आचार्य शिवेंद्र के अनुसार वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा पांच मुहूर्त में होगी। अमृत मुहूर्त सुबह 7-07 से 8-29 बजे तक, शुभ मुहूर्त सुबह 9-51 से 11-13 बजे तक, चर मुहूर्त दोपहर 1-56 से 3-18 बजे तक, लाभ मुहूर्त दोपहर 3-18 से 4-40 बजे तक और अमृत मुहूर्त शाम 4-40 से 6-01 बजे तक रहेगा।



आठ लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे और सरयू स्नान पंचमी का स्नान रविवार को है। इस दिन अयोध्या में 20 लाख है। सुरक्षा कड़ी करते हुए अयोध्याधाम में यातायात डायवर्जन प्रयागराज से अयोध्या आ रहे श्रद्धालुओं में तकरीबन देश के विदेशी व एनआरआई श्रद्धालु भी आ रहे हैं। भीड़ नियंत्रण के राम मंदिर व हनुमानगढ़ी में स्नान, दर्शन-पूजन करने के लिए पड़ रहा है। रामलला के दरबार में श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोग प्रसाद भी वितरित किया जा है। रामनगरी में जब से चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित से ही डायवर्ट किया जा रहा है तब से रेलवे मार्ग से श्रद्धालुओं अयोध्याधाम रेलवे स्टेशन की ओर केवल श्रद्धालुओं को ही की ओर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित कर दिया गया है। आईजी प्रवीण कुमार, एसएसपी राजकरण नथर, एसपी सुरक्षा का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। हनुमानगढ़ी में तीन से पांच लाख श्रद्धालु दर्शन-पूजन कर रहे हैं। सुगम दर्शन

## संक्षिप्त समाचार आत्मनिर्भरता से प्रेरित केंद्रीय रक्षा बजट

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली रक्षा का यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 और आत्मनिर्भर सशस्त्र बलों के विजन को साकार करने के लिए प्रतिबल दिख रहा है। 2025 के आरंभ से ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया था कि यह बड़ा इंधन ऑफ रिफॉर्म पर केंद्रित होगा और इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड के गठन को इस समय सेना सबसे बड़े रिफॉर्म के रूप में देख रही है। इसके अंतर्गत तीनों सेना के बीच तालमेल बनाया, सेना को नए सिरे से कमांड बनाए जाने की चर्चा जोरो पर है जैसे वे एक दूसरे के साजो सामान का साझा इस्तेमाल कर सकें। थियेटर कमांड सेना के ऑपरेशन खर्च को कम करेगा और हमेशा संभावित युद्ध के लिए एक साथ तैयार भी रहेगा। दो साल पहले तक बजट में तीनों सेना के अंगों के कैपिटल खर्च का अलग अलग ब्योरा दिया होता था पिछले साल से ये बंद है अब इसमें इंटीग्रेशन दिखाई दे रहा है। वर्तमान रक्षा बजट में कई प्रमुख क्षेत्रों के लिए खास आवंटन किया गया है विमान और एरो इंजन के लिए 48,614 करोड़ रुपये, नौसेना के बेड़े के लिए 24,390 करोड़, नेवल डॉकयार्ड/ प्रोजेक्ट के लिए 4500 करोड़ और स्पेशल प्रोजेक्ट के लिए 1731 करोड़ रुपये रखे गए हैं। बड़े और मध्यम वाहन के लिए 3650 करोड़ रुपये एवं अन्य सैन्य उपकरणों के लिए 63,099 करोड़ दिए गए हैं जो केंद्रीय बजट ने रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भरता के जोर को दर्शाता है। 2024 में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति भी हुई। इस दौरान रक्षा मंत्रालय ने रिकॉर्ड 1.26 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन किया। साथ ही डिफेंस एक्सपोर्ट 21,083 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का शुभारंभ और स्वदेश में बने हल्के टैंक जोरावर को शामिल किया जाना इस बात का प्रतीक है।

## रास नहीं आई सोने-चांदी पर महंगाई, महिलाएं बोलीं- पहले से दाम आसमान पर; अब गहने हुए पहुंच से दूर

महिलाएं छोटी-छोटी बचत कर सोने-चांदी के गहनों के लिए रुपये जोड़ती हैं। ये आभूषण मुसीबत में भी काम आते हैं। इसके साथ ही नौकरी पेशा महिलाओं को पुरानी पेंशन बहाली की



उम्मीद थी, जो पूरी नहीं हुई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट से महिलाएं कुछ खास खुश नजर नहीं आ रही हैं। महिलाओं का कहना है कि सोना-चांदी तो पहले से ही महंगा था। महिलाएं छोटी-छोटी बचत करके सोने-चांदी के गहने खरीदती हैं, अब बजट में भी सोना-चांदी महंगा हो गया, अब ये गहने महिलाओं के लिए और महंगे साबित होंगे। संसद में बजट पेश किया गया। इसमें महिलाओं के लिए कई घोषणाएं की गईं, लेकिन सोने-चांदी पर आई महंगाई महिलाओं को रास नहीं आई। इनका कहना है कि महिलाओं का गहना महंगा होने से श्रृंगार फीका लग रहा है। उधर, सर्राफा बाजार के ज्वैलर्स अजयकांत गर्ग का कहना है कि शादी-ब्याह को छोड़ दें तो आम दिनों में महिलाएं सोना-चांदी कम ही खरीदती हैं। इससे उनकी बचत का पैसा बाजार में नहीं आ पाता है और बाजार मंदा चलता है। नौकरी पेशा महिलाएं पुरानी पेंशन की बहाली की आस लगाए थीं, वो भी नहीं हुआ। ऊपर से सोना, चांदी और प्लेटिनम के दाम बढ़ रहे हैं। सोना तो पहले से ही प्रति दस ग्राम 84000 रुपये के पार चल रहा है। स्वाति शर्मा ने कहा कि सरकार ने आम चीजें सस्ती नहीं कीं। किसी भी चीज में बढ़ोतरी होने से घर का बजट हिल जाता है। सोना-चांदी महिलाओं के आड़े वक्त में भी काम आता है। बजट में राहत के नाम पर हमारे हाथ कुछ नहीं आया है। अंजली खंडेलवाल ने कहा कि टैक्स में सरकार ने कर्मचारियों का कान घुमाकर पकड़ा है। सरकारी कर्मचारी का दो माह का वेतन तो अब सिर्फ टैक्स में ही चला जाएगा। सोने-चांदी के दामों में बढ़ोतरी कर महिलाओं को निराश किया है। पारुल ने कहा कि लोग सोना केवल पहनने के लिए ही नहीं, बल्कि निवेश की दृष्टि से भी खरीदते हैं। ऐसे में इनकी कीमतों में वृद्धि नहीं की जानी चाहिए थी। ये बजट तो महिलाओं के लिए सामान्य ही रहा है, इसे खास नहीं कहा जा सकता है। रितु ने कहा कि बजट में रोजगार को लेकर कोई वादा नहीं किया गया है। महिला शिक्षा और रोजगार पर अलग से व्यवस्था होनी चाहिए। महिला सम्मान बचत पत्र निम्न वर्गीय परिवारों की महिलाओं के लिए संभव।

## जिला चिकित्सालय के हड्डी रोग चिकित्सक द्वारा अवैध वसूली कर इलाज में लापरवाही बरती

क्यूं न लिखूं सच -श्याम जी

जिले के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया जिला चिकित्सालय के हड्डी रोग चिकित्सक द्वारा अवैध वसूली कर इलाज में लापरवाही बरती गई है जिसकी शिकायत पीड़ित ने तहसील दिवस में की है।

शनिवार को फतेहगढ़ के ऑफिसर्स क्लब में आयोजित तहसील दिवस में थाना शहर कोतवाली के मोहल्ला छत्तादलपतराय के रहने वाले संजीव बाथम पुत्र राम किशन ने तहसील दिवस में दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा है दिनांक 10 जनवरी को उसका पैर चाइनीज मांझे में उलझने के कारण वह छत से गिर गया था इस दौरान उसके पैर की एड़ी की हड्डी टूट गई थी अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नीरज वर्मा ने उसका एक्सरा



देखा और कहा कि तुम्हारे पैर का ऑपरेशन करना पड़ेगा पीड़ित ने कहा कि मैं सरकारी अस्पताल में हूँ मेरा ऑपरेशन कर दीजिए, जवाब देते हुए चिकित्सक नीरज वर्मा ने गुमराह करते हुए कहा यहाँ लोहिया में ऑपरेशन नहीं होते हैं तुम अगर अपने जीवन की सुरक्षा और अच्छा इलाज चाहते हो तो मेरे निजी नर्सिंग होम आरोगिता सुपर स्पेशलिटी में इलाज कराना होगा मैं तुम्हारा रियायतन खर्च में इलाज कर दूंगा पीड़ित के परिजनों ने उसे भ्रमित होकर नीरज वर्मा के निजी नर्सिंग होम में भर्ती करा दिया ऑपरेशन के तीसरे दिवस अस्पताल स्टाफ उसके परिजनों से लगातार रुपयों की मांग करता रहा पीड़ित ने कहा कि डॉक्टर नीरज वर्मा ने उसे 10000 रुपए बताए हैं अधिक रुपए न देने पर नर्सिंग स्टाफ ने उसके परिजनों से अभद्रता की और 25000 रुपए की अवैध वसूली कर छुड़ी कर दी वह लगातार दर्द से कराहता रहा लेकिन उसकी एक न सुनी परेशान परिजनों से उसे पुनः जिले के डॉक्टर राममनोहर लोहिया चिकित्सालय में भर्ती कराया जहाँ उसका सही उपचार चला पीड़ित ने कहा है कि उक्त चिकित्सक मरीजों को गुमराह कर अपने निजी नर्सिंग होम में इलाज कराने का दबाव बनाता है। ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि को धूमिल करने की साजिश कर रहा है ऐसे चिकित्सकों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए तथा उसके निजी नर्सिंग होम आरोगिता सुपर स्पेशलिटी का लाइसेंस निरस्त कर अभद्रता करने वाले प्रशिक्षित स्टाफ के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए।

## पुलिस ने बिछड़े दंपति को राजी कर लौटाई खुशी

क्यूं न लिखूं सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के कुशल निर्देशन में महिला थाना में परिवारिक विवादों की प्राप्त शिकायतों की सुनवाई की गई। जिसमें आपसी वैचारिक मतभेद की वजह से



परिवार टूटने के कारण पर था, महिला थाना के अधिकारी / कर्मचारीगण व विभिन्न क्षेत्र से नामित सदस्यों द्वारा दोनों पक्षों की बातों को विधिवत सुना गया तथा पति-पत्नी के मध्य आपसी मनमुटाव व कलह के कारणों को दूर किया गया। इस कार्यवाही से दो परिवार को बिछड़ने से बचाया गया तथा हंसी-खुशी से विदा किया गया। आपको बता दें कि पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में प्रत्येक शनिवार व महिला थाना में को परिवारिक विवादों की प्राप्त शिकायतों को अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा बिछड़े परिवारों को पुनः जोड़ने का कार्य किया जाता है। बहुत सी ऐसी शिकायतें पर प्राप्त होती हैं, जो पति-पत्नी में घरेलू कलह, पति एवं अन्य ससुरालीजनों के विरुद्ध देहज उतपीड़न, घरेलू हिंसा आदि से संबंधित होती हैं। परिवारों में दरारें न पड़े इसीलिए थानाध्यक्ष महिला थाना श्रीमती पुष्पलता, उप निरीक्षक बृजेश सिंह, उप निरीक्षक निर्मला तिवारी आदि अधिकारी/कर्मचारीगण के अथक प्रयास से दो जोड़ें को आपसी सुलह समझौते के आधार पर समझौता कराकर घर भेज गया। महीनों से बिछड़े पति-पत्नी एक-दूसरे को मिश्रण खिलाकर, साथ खुश नजर आए। जिन पति-पत्नी की विदाई करायी गयी, उनका समय समय पर कुशल क्षेम जरिए दूरभाष पूछा जायेगा, जिससे सुलह की स्थिति से अवगत कराया गया।

## ब्लॉक स्तरीय हितधारक के साथ अभिसरण बैठक

क्यूं न लिखूं सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। देहात इंडिया के तत्वाधान मे ब्लॉक सिरसिया के ग्राम पंचायत हेमपुर के पंचायत भवन में किशोर न्याय ( बालकों की देखरेख एवं सुरक्षा ) अधिनियम 2015 में उल्लिखित उपबंध के आधार पर ब्लॉक स्तरीय



आयोजन किया संस्था पिछले 23 वर्षों अधिकार मुद्दों पर लक्ष्मी देवी ने बताया को एक मंच पर तस्करी साइबर हितधारक के साथ अभिसरण बैठक का गया। देहात संस्था के इंसराम ने बताया कि देहात से उत्तर प्रदेश के अलग अलग जनपद में बाल सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। इसी क्रम में कि इस बैठक का मूल उद्देश्य सभी हितधारकों एकत्रित होकर बाल विवाह, बाल श्रम एवं मानव अपराध से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना है, तथा निराकरण भी निकालना है, जिससे कि एक ऐसे समाज का निर्माण हो, कि बच्चा अपने अधिकारों को मनोरंजन करते हुए जीवन व्यतीत करें और जिम्मेदार नागरिक बने न्यायपीठ बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष विश्रम पासवान ने बताया कि बच्चों का नामांकन हो ना अत्यंत आवश्यक है चुकी शिक्षित बालक ही बाल श्रम, बाल विवाह, बाल यौन शोषण से अपने आप को बचा सकता है तथा इन अपराधों से आपने आप को बचा सकता है। व वहीं पर सशस्त्र सीमा बल के सुईया बॉर्डर से इंपेक्टर राजकुमार ने बॉर्डर पर बच्चों से बाल तस्करी के संबंध में संपूर्ण जानकारी दिए। अंत में देहात इंडिया के जिला समन्वयक मोहम्मद यूसुफ ने सभी का स्वागत अभिवादान, धन्यवाद देते हुए बच्चों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया एवं सभी का पुनः एक बार स्वागत अभिन्नंदन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। उपरोक्त बैठक में सशस्त्र सीमा बल के कर्मचारी गण, एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग थाना के अध्यक्ष मोहम्मद दानिश आजम, पी. स. संस्था के जिला समन्वय विनोद पांडे, ग्रामीण बौद्ध कल्याण सेवा संस्थान से प्रेम बाबू गिरी जी व मां सरस्वती बालिका शिक्षा समिति से श्रवण कुमार श्रीवास्तव सहित समूह सखी अभिभावक आदि उपस्थित रहे।

## दबंग अस्पताल संचालक और कर्मचारियों का आतंक

क्यूं न लिखूं सच -श्याम जी कश्यप

जनपद फरुखाबाद उत्तर प्रदेश बीमार बच्चे का इलाज कराने आए पिता के साथ दबंग कर्मचारियों ने अस्पताल में जमकर की मारपीट फाड़े कपड़े दबंग अस्पताल कर्मचारियों द्वारा बीमार बच्चे के पिता के साथ की गई मारपीट का वीडियो हुआ वायरल पीड़ित पिता ने पुलिस पर भी सुनवाई न करने का लगाया आरोप पीड़ित ने कहा कि यदि पुलिस ने मेरी सुनवाई नहीं की तो मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से करेंगे जनपद हरदोई के थाना सांडी क्षेत्र के ग्राम पिथरामई निवासी इंद्रेश सिंह भदौरिया ने अपने 1 वर्षी पुत्र हनु भदौरिया को उपचार के लिए कटियार हॉस्पिटल में भर्ती कराया था उन्होंने बताया कि कटियार हॉस्पिटल में डॉक्टर शिवाशीष उपाध्याय बैठते हैं उन्हें दिखाने के लिए बच्चे को भर्ती कराया था आज सुबह दवा लेने गए तभी पुत्र के लगी बीगो से ब्लड बैंक हो गया, वहां पर कोई कर्मचारी नहीं था जिस पर बच्चे कर पिता इंद्रेश सिंह भदौरिया ने अस्पताल के कर्मचारी ( कंपाउंडर ) को जानकारी दी कर्मचारी ( कंपाउंडर ) से कहा कि मेरा बच्चा परेशान होने लगा है चलकर देख लो, जिस पर कर्मचारी ( कंपाउंडर ) ने कहा कि अभी हम नहीं जा पाएंगे वहां पर सभी कर्मचारी ( कंपाउंडर ) बैठे रहे और मेरी बात को नहीं सुना, जिस पर परेशान पिता ने नाराजगी जताई इसके बाद अस्पताल के कर्मचारियों ने बीमार बच्चे के पिता इंद्रेश सिंह भदौरिया के साथ जमकर मारपीट कर दी बीमार बच्चे के पिता इंद्रेश सिंह भदौरिया के साथ अस्पताल कर्मचारियों के द्वारा की गई मारपीट का वीडियो वायरल हो रहा है पीड़ित इंद्रेश सिंह भदौरिया ने बताया की अस्पताल के कर्मचारियों ने मेरी शर्ट फाड़ दी और हमारे करीब 25-30000 रुपये निकाल लिए और मेरा मोबाइल फोड़ दिया है मामले की शिकायत आवास विकास चौकी पुलिस से की है दोबारा अस्पताल पहुंचकर पुलिस से कहा कि आप सीसीटीवी कैमरा चेक कर ले उसमें दिख जाएगा कि मेरा मोबाइल और रुपए कहां गए हैं जिस पर अस्पताल के कर्मचारियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए कहा की यहां से चले जाओ, चौकी पुलिस हमारा कुछ नहीं कर पायेगी कादरीगत थाना क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी स्थित कटियार हॉस्पिटल का मामला



## सेंटर सी कान्वेंट स्कूल में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए एक साईटेशन सेरेमनी का आयोजन किया

क्यूं न लिखूं सच -राकेश गुप्ता

शामली दिल में उत्साह और विदाई की उदासी की मिश्रित भावनाओं के साथ सेंट. आर. सी. कॉन्वेंट स्कूल शामली में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए एक साईटेशन सेरेमनी ( प्रशस्ति समारोह ) का



शानदार आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद संगल जी, सीमा निर्वाह, मीनू संगल, भारत संगल एवं डायरेक्टर भारत संगल जी ने दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सम्मान कि सी भी शैक्षणिक संस्थान में अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक होते हैं। शिक्षित व्यक्ति ही सभ्य नागरिक बनकर राष्ट्र की सेवा कर सकता है। जीवन में प्रत्येक कार्य का एक समय होता है यदि विद्यार्थी अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प होकर कार्य करें तो कामयाबी



अवश्य मिलती है। स्कूल में बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक ज्ञान एवं संस्कारों के महत्व का भी ज्ञान दिया जाता है। 12वीं कक्षा के बाद विद्यार्थी अलग-अलग विषयों के साथ पढ़ाई करके अपने जीवन के लक्ष्य में आगे बढ़ेंगे व उच्चतर शिक्षा प्राप्त कर अपने स्कूल माता-पिता और देश का नाम रोशन करेंगे। अंत में सभी बच्चों को उनके आने वाली परीक्षाओं एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के आरंभ में जूनियर विद्यार्थी ने सीनियर विद्यार्थियों का स्वागत तिलक लगाकर किया। इस अवसर पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस सम्मान के अवसर पर कक्षा 12 के विद्यार्थियों ने स्कूल के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों का इस शानदार आयोजन करने पर धन्यवाद करते हुए कहा कि हम सब अपने जीवन में नए अध्याय का आरंभ करने जा रहे हैं। दूसरी ओर हम उदास हैं कि इस स्कूल ने हमें नए केवल शिक्षा दी है बल्कि जीवन के महत्वपूर्ण सबक भी सिखाए हैं। यहां बिताए गए हर पल की यादें हमारे दिल में हमेशा बनी रहेगी। हमारे अध्यापकों ने न केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान ही नहीं दिया बल्कि जीवन की सही राह भी दिखाई। इनके मार्गदर्शन और प्रेरणा के साथ हम सदैव जीवन में आगे बढ़कर लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती उज्जा जैदी जी ने विद्यार्थियों को सुनहरे भविष्य की ओर प्रेरित करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए एवं विद्यार्थियों से भावी जीवन की सफलता के लिए कठिन परिश्रम तथा लगन सहित महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्कूल के सभी अध्यापक एवं अध्यापिकाएं उपस्थित रहे

## संक्षिप्त समाचार सेवानिवृत्त हुए उपनिरीक्षकगण की भावभीनी विदाई

क्यूं न लिखूं सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। पुलिस कार्यालय में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव द्वारा उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस प्रेम शंकर सिंह राजनाथ के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन



किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने समारोह को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त उपनिरीक्षकों के समर्पण और अनुकरणीय सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि आप सभी ने अपने कार्यकाल में जो कर्तव्यनिष्ठ और अनुशासन का परिचय दिया है, वह प्रेरणादायक है। पुलिस विभाग को आपके योगदान पर गर्व है। उन्होंने सेवानिवृत्त उपनिरीक्षकों को स्मृति चिह्न प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना की। अपर पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त हुए सभी उपनिरीक्षक को स्मृति चिन्ह भेंट किया। तत्पश्चात प्रतिस्तर निरीक्षक अखिलेश कुमार, वाचक पुलिस अधीक्षक सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा सेवानिवृत्त हुए उपनिरीक्षक का माल्यार्पण किया गया उनके दीर्घायु होने की कामना की गई।

## डीएम ने ग्राम का दौरा कर आवास योजना के लाभार्थी से लिया फीडबैक

क्यूं न लिखूं सच

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने शनिवार को तहसील बिल्सी के ग्राम हैदलपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की



लाभार्थी कीर्ति पत्नी दुर्गाेश कुमार के ग्राम जाकर उनसे वार्ता की। उन्होंने सेवानिवृत्त उपनिरीक्षकों को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त उपनिरीक्षकों को स्मृति चिह्न प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि आप सभी ने अपने कार्यकाल में जो कर्तव्यनिष्ठ और अनुशासन का परिचय दिया है, वह प्रेरणादायक है। पुलिस विभाग को आपके योगदान पर गर्व है। उन्होंने सेवानिवृत्त उपनिरीक्षकों को स्मृति चिह्न प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना की। अपर पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त हुए सभी उपनिरीक्षक को स्मृति चिन्ह भेंट किया। तत्पश्चात प्रतिस्तर निरीक्षक अखिलेश कुमार, वाचक पुलिस अधीक्षक सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा सेवानिवृत्त हुए उपनिरीक्षक का माल्यार्पण किया गया उनके दीर्घायु होने की कामना की गई।

## थाना कोतवाली पुलिस ने एक अभियुक्त को भेजा जेल

क्यूं न लिखूं सच

एसएसपी डॉ0 बृजेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ की बिक्री व तस्करी करने वाले अभियुक्तों के विरुद्ध



गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत आज थाना कोतवाली पुलिस द्वारा सुन्दरनगर जाने वाली सड़क से एक अभियुक्त अजहर पुत्र कछू शाह निवासी मौ0 कबूलपुरा दादा मियां की ज्यारत के पास थाना कोतवाली जनपद बदायूं को 11 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामद स्मैक के आधार पर अभियुक्त अजहर उपरोक्त के विरुद्ध थाना कोतवाली पर मु0अ0स0 42/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस पंजीकृत कर मा0 न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया।

# The habit of eating hot food is not good, you will be surprised to know the harm it is causing to health

# Do not ignore neck pain, if you start getting these signs then immediately make an appointment with the doctor

Eating too hot food kills your appetite. At the same time, many times it also has a bad effect on your kidneys. In such a situation, if you have a habit of eating too hot food, then you



should avoid this habit. Because it is causing many damages to your body. Your health is also being greatly affected by this. Not having the habit of eating hot food is a common thing for many people, but this habit can cause many health problems. Today we are telling you some disadvantages here that you can have by eating hot food.

Often many people eat food very fast. They eat food so fast that they even eat hot food. But after hot food goes into your stomach, it harms you instead of benefiting you. Therefore, one should avoid eating hot food. 1. Digestive problems Hot food starts weakening the digestive system. Eating too hot food also affects your throat and kidneys. Eating too much hot food can cause digestive problems such as - indigestion - gas - stomach ache - diarrhea or constipation Loss of appetite Eating hot food completely eliminates appetite. Your appetite ends without filling your stomach. This causes a lot of harm to health. At the same time, eating hot food also causes the problem of loss of appetite. Due to which there is a possibility of weight loss and weakness in the body. Lack of vitamins and minerals By eating hot food, you do not get vitamins and minerals properly. Which are necessary for the body. By eating hot food, there is a deficiency of vitamins and minerals in the body. Due to which many problems can occur in the body. One should avoid eating food after heating it too much. Weakness of the immune system Hot food gradually weakens the immune system. Not eating hot food weakens the immune system, which increases the risk of diseases in the body. Effect on mental health Eating hot food also starts affecting mental health. Eating hot food can have a negative effect on mental health. These include stress, anxiety and depression. Some tips to avoid these harms - Do not make a habit of eating hot food. - Take probiotics to strengthen the digestive system. - Take supplements to meet the deficiency of vitamins and minerals. - Exercise regularly and eat a healthy diet to strengthen the immune system.

You should never ignore neck pain. It can prove to be very harmful for you in the future. Therefore, you should always make an appointment with a doctor when neck pain starts. (Neck Pain Treatment) You should also do regular exercise to remove neck stiffness. Exercise



removes stiffness of your neck. Neck pain is a common problem, but it can sometimes be a sign of serious health problems. If you are having neck pain, then you should not ignore it at all. Many times you ignore neck pain, this can be very harmful for your health. Therefore, whenever you start having neck pain, you should make an appointment with a doctor at the earliest. 1. Severe pain: If you are having severe pain in the neck which is causing you trouble in sleeping or working, then this can be a serious problem. Sometimes very severe pain can become a matter of concern for you in the future. In such a situation, severe pain should never be ignored. 2. Numbness or tingling with pain: If you are experiencing numbness or tingling with neck pain, it could be a sign of a serious problem. Many times when you work continuously sitting for hours, this pain occurs. In such a situation, you should not ignore this pain. 3. Stiffness in the neck: If you are experiencing stiffness or tightness in the neck, it could be a sign of a serious problem. Therefore, you should also do regular exercise to relieve neck stiffness. Exercise relieves stiffness of your neck. 4. Migraine may occur: If you are also having headache along with neck pain, then it could also be migraine. In such a situation, it is important that you go to the doctor immediately to tell about this problem to deal with the problem of migraine. Along with this, if you are experiencing pain in the arms or legs along with neck pain, it could be a sign of a serious problem. Do not ignore these signs and make an appointment with a doctor immediately. The doctor can give you proper treatment and advice and help you get rid of neck pain.

# Drinking tea by adding a pinch of salt gives amazing benefits, but not everyone knows the right way

Most people start their day with a cup of tea, but have you ever tried adding a pinch of salt to your tea? Probably not! But let us tell you that this simple change has many benefits (Salt Tea Benefits) which you may be unaware of. Let us tell you in detail in this article what can happen by drinking tea by adding salt. Everyone knows how to add sugar to tea. Very few people drink tea by adding salt to it. Salt tea has many benefits. Tea is one of the most famous drinks in the world including India. It is not only a great way to start the morning, but also gives energy and freshness to the body. There are many types of tea, such as milk tea, black tea, green tea, herbal tea, and lemon tea. But have you ever heard about the benefits of drinking tea by adding a pinch of salt to it (Tea With Salt Benefits)? Yes, this is such a health benefits. But, it is very important to know its right method it in detail. Benefits of adding salt to tea Strengthens the system. The sodium present in salt activates the digestive reduces the problem of acidity and gas. Balance of electrolytes in the body. When you add a pinch removes fatigue. Control blood pressure blood pressure. However, excessive salt intake to tea. Relief from stress and anxiety - The anxiety. It is helpful in calming the body and Salt has antibacterial properties, which help mixed with salt removes the problem of bad in removing toxins from the body. Drinking beneficial for the liver and kidneys. Relief during cold and cough provides relief from throat infection. Correct way to add salt to only when it is used correctly and in the right so it should be used carefully. Let's know how. be added to tea. About 1/8 teaspoon of salt is enough tea and it can also be harmful to health. Add salt while is hot. This will dissolve the salt well and the taste of tea before adding milk. Add salt to plain tea- The taste of salty tea then keep the amount of salt a little less. Use quality salt- Use plain contains chemicals, which can be harmful to health. Precautions- If you tea. Consuming more salt can cause dehydration, kidney problems and bone weakness. If you do not like the taste of drinking tea mixed with salt, then do not force it.



unique method, which not only enhances the taste of tea, but also provides many and right quantity, otherwise it can also be harmful. Let's understand about digestive system Drinking tea mixed with salt strengthens the digestive enzymes of the body, due to which food is easily digested. It also electrolytes in the body - Salt helps in maintaining the balance of salt to tea, it helps in keeping the body hydrated and Consuming the right amount of salt can help in controlling can be harmful, so only a pinch of salt should be added minerals present in salt help in reducing stress and relieving mental fatigue. Beneficial for oral health- in eliminating bacteria in the mouth. Drinking tea breath and infection. Detoxifies the body- Salt helps tea mixed with salt cleanses the body and is also from cold and cough- Drinking tea mixed with salt sore throat and blocked nose. Salt helps in reducing tea The benefits of adding salt to tea are available quantity. Excessive salt intake can be harmful to health, Keep in mind the quantity- Only a pinch of salt should for a cup of tea. Adding more salt can spoil the taste of making tea- While making tea, add salt only when the water will be better. If you are making tea with milk, then add salt is better in plain tea (without milk). If you like to drink tea with milk, salt or rock salt to mix in tea. Avoid using processed salt or table salt, as it have a problem of high blood pressure, then consult a doctor before adding salt to

## Pooja Hegde became sad when South star Vijay entered politics, 'Deva' actress told why her heart was broken

Thalapathy Vijay has started his political journey. Last year he formed his own party. Recently the name of his possible last film was announced. After this, now actress Pooja Hegde (Pooja Hegde on Vijay) has reacted to the start of his political career and told why she is sad. Pooja Hegde's film Deva released in theaters - Pooja commented on Thalapathy Vijay's political career Pooja Hegde became sad because of this Shahid Kapoor and Pooja Hegde starrer Deva (Deva Movie) has been released in theaters today. The audience was eagerly waiting for the film. Now the audience who came to watch the movie has given a good response to Deva on social media. Meanwhile, the lead actress of the film Pooja Hegde has expressed her grief while reacting to Thalapathy Vijay's decision to enter



politics. Tamil superstar Vijay's films get a lot of love from the audience. Not only this, the stars associated with the film world also like to see him on the big screen. Now that he has started his political journey, his activity in movies will decrease. Why is Pooja Hegde sad about Vijay's political journey? Talking to PTI, Pooja Hegde has given her reaction on Vijay's 69th and last possible film. Let us tell you that Pooja Hegde will be seen with him in this. The actress said, 'As a fan, I like to see him on screen and am sad because of this, but I am definitely in support of his political journey. I hope he gets more power for this.' Actor Thalapathy Vijay, known for acting in the film world, formed his party 'Tamizhaga Vettri Kazhagam' last year. After this, fans started feeling that he will no longer be seen in films. However, recently the name of his upcoming film Jan Nayakan was announced. A poster of her was also shared, which has become a topic of discussion. What did the actress say about Deva's character? Pooja Hegde's film Deva is being discussed a lot these days. In this, she has played the role of a journalist, who is never afraid to ask every important question. Talking about the character in the film, the actress said, Diya is a courageous woman, who asks difficult questions without any hesitation. Not only this, she is not afraid to say anything to the lead character of the film, Deva. Let us tell you that Shahid Kapoor has appeared in the role of a police officer and his acting is also being praised.

politics. Tamil superstar Vijay's films get a lot of love from the audience. Not only this, the stars associated with the film world also like to see him on the big screen. Now that he has started his political journey, his activity in movies will decrease. Why is Pooja Hegde sad about Vijay's political journey? Talking to PTI, Pooja Hegde has given her reaction on Vijay's 69th and last possible film. Let us tell you that Pooja Hegde will be seen with him in this. The actress said, 'As a fan, I like to see him on screen and am sad because of this, but I am definitely in support of his political journey. I hope he gets more power for this.' Actor Thalapathy Vijay, known for acting in the film world, formed his party 'Tamizhaga Vettri Kazhagam' last year. After this, fans started feeling that he will no longer be seen in films. However, recently the name of his upcoming film Jan Nayakan was announced. A poster of her was also shared, which has become a topic of discussion. What did the actress say about Deva's character? Pooja Hegde's film Deva is being discussed a lot these days. In this, she has played the role of a journalist, who is never afraid to ask every important question. Talking about the character in the film, the actress said, Diya is a courageous woman, who asks difficult questions without any hesitation. Not only this, she is not afraid to say anything to the lead character of the film, Deva. Let us tell you that Shahid Kapoor has appeared in the role of a police officer and his acting is also being praised.

## Shilpa Shirodkar broke her silence on getting the tag of Sex Symbol, said- 'The more you run away from something, the more...'

Famous Bollywood actress and Bigg Boss 18 finalist Shilpa Shirodkar was once given the tag of sex symbol of the 90s. After leaving Bigg Boss, Shilpa has given her reaction on getting this tag. Know what she has said about getting the tag of sex symbol in a recent interview.



## The relationship broke before it could happen... Rakhi Sawant will no longer become Pakistan's daughter-in-law, Dodi Khan told the truth

For a long time, Rakhi Sawant's third marriage was being discussed. There was news that Rakhi was going to marry Pakistani actor Dodi Khan. Dodi had also accepted to marry Rakhi Sawant. But now he has denied it by sharing a video. Dodi said that he will get Rakhi



married. Dodi refused to marry Rakhi Sawant's heart was broken The actress was about to get married for the third time A few days ago, Rakhi Sawant came into the headlines for her third marriage. Pakistani actor Dodi Khan shared a video on Instagram in which he proposed Rakhi for marriage. Not only this, Rakhi has also confirmed in many interviews that she is going to marry Dodi. Rakhi told that the wedding will take place in Pakistan, while the reception will be in India. What did Dodi Khan say in her clarification? However, now her lover Dodi has taken a U-turn. He has put Rakhi in friend zone. Dodi has shared a video on Instagram in which he told why he made a video proposing to Rakhi. Dodi said, 'Salam Walekum Hindustan Pakistan, I am Dodi Khan. A few days ago you must have seen a video on my social media in which I proposed to Rakhi Sawant. You saw it right. Why does Dodi not want to marry Rakhi? The reason for proposing to her was that I know her very well. When I got to know her, I found a person who loves God in her. She faced a lot of problems in life, she lost her parents. After this, she also suffered from illness and pain. A person came into her life, you know what he did. She has come out of a very big trauma. She accepted Islam, did Umrah and changed her name to Fatima. Mashallah, it is a big thing. I liked him so I proposed to him.' I got a lot of messages - DodiDodi further explained why he cannot marry Rakhi. Dodi said, 'I think people do not accept this, because I cannot tolerate the number of messages and videos I received. So Rakhi ji, you are my very good friend, a very dear friend and you will always be. You may not have become Dodi Khan's bride, but you will definitely become Pakistan's daughter-in-law, this is my promise to you. I will get you married, I will get you married in Pakistan. I will get you married to one of my own brothers. Rakhi was earlier married to Adil - Rakhi has reacted to this video by making a broken heart and crying emoji. Let us tell you that Rakhi Sawant was earlier married to Adil Khan Durrani. However, both separated in 2023. Earlier, Rakhi married Ritesh Raj Singh.

tag. Know what she has said about getting the tag of sex symbol in a recent interview. Shilpa Shirodkar made her debut with Mithun Chakraborty Shilpa Shirodkar used to be a popular actress of the 90s - Shilpa Shirodkar was a finalist of Bigg Boss season 18 Shilpa Shirodkar Shilpa Shirodkar, one of the most talked about actresses of B-town, was once given the tag of sex symbol. She has shared the screen with actors like Mithun Chakraborty to Sunil Shetty. Even though her career was short, she enjoyed stardom in a short time. It was the year 1989, when she made her debut in films with Mithun Chakraborty and Rekha's film Corruption. Shilpa became famous with her debut film itself. She worked in films like Raghuveer, Gopi Kishan, Kishan Kanhaiya, Hum and Trinetra. Apart from hit films, Shilpa was famous for her bold avatar. It was because of her bold avatar that she got the tag of a sex symbol. Reacted on getting the sex symbol tag- Recently, Shilpa Shirodkar has given her reaction on getting such a tag. In a conversation with Siddharth Kannan, the actress said, "Sex symbols are a little more erotic. I have no complaints. People say Shilpa Shirodkar is the sex symbol of the 90s. Yes, I got this tag. I have no problem with it because the more we run away from something, the more it comes after you. Those years used to be the best years of my life. Whether you call it a sex symbol or erotic, fat, round, it doesn't matter." Shilpa Shirodkar further said, "I went there to work. I was doing good work. I was getting recognition. I was working with the best people in the industry. I was doing what I like to do." Shilpa also told whether she was ever shamed for being overweight at that time or not. The actress said, "There was nothing to be ashamed of being overweight back then. It was fine. If those things are said now, then who knows what will happen to people. There will be an uproar." Recently, Shilpa returned to the glamour world after years. She became a finalist in Salman Khan's show Bigg Boss 18.